अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव-2024
अ.भा.प.जैन महासभा का 55वां स्थापना वर्ष

स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 1 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 जुलाई 2024 ✦ वर्ष 13 ✦ कुल पृष्ठ 48 ✦ मूल्य ₹5

चातुर्मास के उद्देश्य

जीवन का उत्कृष्ट निर्माण हो

परिवार में धार्मिकता की वृद्धि हो

आजीविका का धर्ममय उपार्जन हो

गुरु का मंगलमय सानिध्य मिले

स्वाध्याय से जीवन को दिशा मिले

धर्म की रुचि सदा बनी रहे

परमात्मा की कृपा दृष्टि बनी रहे

तप-साधना से जीवन मंगलमय हो

मोक्ष की अभिलाषा तीव्र बने

TAILOR MADE
SOLUTIONS
FOR DIVERSE
INDUSTRY NEEDS

MEI POWER PRIVATE LIMITED

MARSON'S
AGRA, INDIA

25 KVA to 14 MVA
Type Tested as per
BIS Level 3 & 2 / IEC & IS

संस्थापक - स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त, 1927 - 31 अगस्त, 2016)

आपका स्नेह, सेवाभाव, समाज की प्रगति की भावना, उच्च विचार एवं
प्रेरणादायक जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

MEI POWER PRIVATE LIMITED

Correspondence: 1/189 Delhi Gate, Civil Lines, **Agra - 282 002 (INDIA)**
Ph: +91 562 2520027, +91 562 2850812
Works: Mathura Road, Artoni, **Agra - 282 007 (INDIA)**
Ph: +91 90277 09944, +91 92580 78803
info@marsonselectricals.com www.marsonselectricals.com

9001 14001 MIDEL CE ENERGY IS LIFE BEE CONSERVE IT EU Directives

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

मूल्य ₹ 5/-

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 1 ✦ 25 जुलाई 2024 ✦ वर्ष 13 Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com *कुल पृष्ठ : 48*

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री त्रिलोक चन्द जैन *(अध्यक्ष)*
नया बास, सकर कूंई के पीछे, अलवर (राज.)
मोबा.: 8233082920

श्री महेश जैन *(महामंत्री)*
टी-22, अलंकार प्ज़ाला, सेन्ट्रल स्पाइन, सेक्टर 2,
विद्याधर नगर, जयपुर-302039 (राज.)
मोबा.: 9414074476
Email : abpjmmaheshjain@gmail.com

श्री भागचन्द जैन *(अर्थमंत्री)*
पुराने जैन मंदिर के पास, नौगावां,
जिला अलवर-301025 (राज.)
मोबा.: 9828910628
E-mail : bhagchandjain07@gmail.com

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

त्याग और संयम का चातुर्मास

चातुर्मास जैन समाज की सभी आमनाओं का महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है, जो हर वर्ष चार महीने (आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक) के दौरान मनाया जाता है। इस अवधि में सभी जैन बन्धुओं विशेष रुप से आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों को महत्व देते हैं।

चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य आत्म-संयम, तपस्या और आध्यात्मिक प्रगति को बढ़ावा देना है। यह समय वर्षा ऋतु का होता है, जब साधु-संत विहार नहीं कर सकते और एक ही स्थान पर ठहरते हैं। इस अवधि में साधु-संतों का सत्संग, प्रवचन और धर्म चर्चा होती है, जिससे समाज के लोग धार्मिक और नैतिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। इस दौरान लोगों को अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे पांच महाव्रतों का पालन करना चाहिए।

चातुर्मास के दौरान जैन समाज के लोग विभिन्न प्रकार की तपस्याएं करते हैं। यह समय आत्मशुद्धि, ध्यान और स्वाध्याय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लोग जमिकंद, प्याज, लहसुन जैसी तामसिक चीजों का त्याग करते हैं और शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं।

साधु-संत इस दौरान विभिन्न ग्रंथों का अध्ययन करके अपने ज्ञान को समाज के जन मानस तक प्रवचनों के माध्यम से पहुंचाते हैं। इस अवधि में विशेष पर्व, जैसे- पर्युषण और दशलक्षण पर्व भी मनाए जाते हैं, जो जैन समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। पर्युषण के दौरान समाज के लोग क्षमापना दिवस मनाते हैं, जिसमें एक-दूसरे से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगते हैं।

चातुर्मास का समापन कार्तिक शुक्ल एकादशी को होता है, जिसे 'प्रबोधिनी एकादशी' कहते हैं। इस दिन साधु-संत अपने विहार के लिए पुनः प्रस्थान करते हैं और अपने प्रवास को समाप्त करते हैं। चातुर्मास के दौरान किए गए तप, व्रत और साधना का फल समाज के सभी सदस्यों को प्राप्त होता है और यह उन्हें आत्मिक शांति और संतोष प्रदान करता है।

इस प्रकार, चातुर्मास जैन समाज के लिए एक ऐसा पर्व है जो धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व आत्म-संयम, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जो हर जैन अनुयायी के जीवन में एक विशेष स्थान रखता है। हम सभी परिवार, समाज बंधुओं को भी इस अवसर पर वर्तमान में महासभा में व्याप्त कटुता को समाप्त कर समाज को पुनः एकजुट करने में अपना-अपना योगदान देना चाहिए।

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये। प्राप्त लेखों में संशोधन कर प्रकाशन करने का अधिकार सम्पादक मंडल के पास सुरक्षित है।

अमृत महोत्सव-2024 के अन्तर्गत सभी शाखाओं हेतु 'दशम् कार्यक्रम'

स्वतंत्रता दिवस - 15 अगस्त

★ समाज की कोई जगह, किसी सरकारी स्कूल/निराश्रालय या आपकी अनुकूलता से अन्य किसी स्थान पर गरिमापूर्ण तिरंगा रोहण, परेड़, सलामी,जन-गण-मन।

★ सरकारी स्कूल या आपकी अनुकूलता से कहीं भी ड्रेस, बैग या अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण। कार्यक्रम स्थल पर देश भक्ति गीत, उद्‌बोधन साथ ही निबंध, चित्र-कला, झंड़ा निर्माण आदि प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार।

★ किसी भी तरह से देश सेवा का कार्य कर रहे समाज जनों और उनके परिवारों का सम्मान।

★ युवक एवं महिला मंडल को शामिल करते हुए समाज जनों के साथ विभिन्न प्रकार की पुरानी देसी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन, जैसे- सितोलिया, कबड्डी, खो-खो, गिल्ली डंडा, कंचे, पोशम्पा, आइस-पाइस, जंजीर, गुट्टे, लंगड़ी टांग आदि।

★ समाज जनों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों के प्रमोशन के लिए उनके साथ 'राखी मेले' का आयोजन। समाज जनों के साथ अन्यों को भी आमंत्रण देंवे।

★ एक वृक्ष देश के नाम (वृक्षारोपण)।

इनके साथ कुछ और भी कार्यक्रम जो आपको विषय अनुरुप लगे, करें। कार्यक्रम में अपनी शाखा के अमृत महोत्सव का बैनर अवश्य लगायें। कार्यक्रम के समाचार सभी लोकल अखबारों, मीडिया में देंवे।

-सतीश चन्द जैन (पालम)

संयोजक- अमृत वर्ष महोत्सव-2024

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा,

मो.: 7065901226, 9810177108

भगवान महावीर का संविधान

प्रत्येक देश का एक संविधान होता है। जिसमें देश के नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों का वर्णन होता है, उन्हीं अधिकार एवं कर्तव्यों के अन्तर्गत देश के नागरिकों का जीवन यापन होता है।

इसी तरह आत्मा को पाप और कषायों से रक्षा करने के लिए भगवान महावीर ने भी संविधान बनाया है। उस संविधान में श्रावक और साधु, साध्वी के जीवन जीने के नियम बनाऐ हैं। उन नियमों का पालन कर ही सभी पाप कर्मों को कम कर आत्मा को शुद्ध बनाते हैं। जिसने भगवान महावीर के संविधान का पालन कर लिया उसे और किसी भी संविधान की पालना की जरूरत ही नहीं होती, क्योकि वह उससे ज्यादा नियमों, कर्तव्यों का पालन कर रहा होता है।

जैन धर्म अनादिकाल से चला आ रहा है, जैन धर्म में आचार-विचार, देव-शास्त्र एवं गुरु की महत्वता बतायी है। व्यक्ति के सर्वप्रथम गुरु माता-पिता, उसके पश्चात गुरु - गुरु शिक्षक, उसके पश्चात धर्मगुरु होते हैं। गुरु ही श्रेष्ठ है गुरु ही मोक्ष का मार्ग, आचार-विचार, जीवन चर्या का मार्ग बताते हैं।

मनुष्य का 'सादा जीवन - उच्च विचार' यानि जीवन में सादगी हो लेकिन विचार उच्च होने चाहिए। जो व्यक्ति अपने धन, वैभव एवं ज्ञान का दिखावा करता है वो महाअज्ञानी है। धन और ज्ञान से समृद्ध व्यक्ति का व्यवहार फल लगे वृक्ष जैसा होना चाहिए। जिस तरह वृक्ष पर फल लगते हैं तो वह नीचे झुक जाता है। उसी तरह धन, वैभव और ज्ञान प्राप्त करने के बाद मनुष्य को भी विनम्र होना चाहिए। अपने जीवन में सादगी को अपनाना और तुच्छ विचारों का त्याग करना ही मनुष्य का महानगुण है इसके विपरीत स्वयं पर घमन्ड करना सबसे बडा अवगुण है। मनुष्य को विन्रम, त्याग एवं परोपकार जैसे गुणों को आत्मसात करना चाहिए। किसी ने कितने ही शास्त्र क्यों ना पढ़े हो लेकिन जब तक वह उनके ज्ञान को अपने आचरण में नहीं उतारता है तब तक शास्त्र पढने का कोई फायदा नहीं है।

मनुष्य का आचरण ही उसे महान बनाता है, अच्छे आचरण से अच्छे विचार जन्म लेते हैं और वही विचार उसके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। हमारे मतिष्क में जैसे विचार आएंगे वैसे ही हमारे कर्म होंगे। हमारे मन में सारे विचार उत्पन्न होते हैं, अत: जिस व्यक्ति ने अपने मन को साध लिया तो वह कभी गलत कार्य नहीं करेगा। भगवान महावीर के बताऐ मार्ग पर चलने से व्यक्ति में अच्छे गुणों का एवं अच्छे विचारों का विकास होता। जिस तरह भूमि की उर्वरता का पता बोए गए बीज से लगता है, उसी प्रकार व्यक्ति के आचार-विचार से उसकी कुलीनता का पता चलता है।

-पारस जैन गहनौली

सह-संपादक

साम्ययोगी महावीर

-आचार्य महाप्रज्ञ

धर्म का मौलिक ध्येय है मुक्ति। फिर हमारे व्यावहारिक जीवन में भी वह क्रम उपयोगी नहीं है। भगवान् महावीर ने कहा- समता ही धर्म है। उन्होंने बार-बार कहा- 'लाभ अलाभ, सुख-दु:ख, जीवन-मरण, निंदा-प्रशंसा और मान-अपमान में सम रहो।'

हम इस उपदेश को आध्यात्मिक ही समझते रहें और वह हमारी समझ ठीक भी है। हमें इतना और समझना चाहिए कि वह जितना आध्यात्मिक है, उतना ही व्यावहारिक है। मन की समता से हमारी आत्मा ही बन्धन-मुक्त नहीं होती, अपितु शरीर भी अनेक व्यथाओं से मुक्त होता है। मन की विषमता से हमारी आत्मा ही बद्ध नहीं होती, किन्तु शरीर भी व्यथित होता है। चिकित्सा शास्त्र भी प्रमाणित कर चुका है कि मन की सम अवस्था शरीर की स्वस्थता में सहायक होती है और उसकी विषमता से स्नायुओं में भयंकर तनाव होता है। मन की अस्तव्यस्तता से शरीर विकार-ग्रस्त हो जाता है। उत्तेजना या क्रोध की दशा में हृदय की रक्त-कोशिकाएं स्रवित हो जाती हैं। उसका परिणाम अनिष्ट रूप होता है।

मानसिक विकारों से शरीर रुग्ण बनता है। उसका पहला प्रभाव यह होता है कि स्नायुओं में तनाव आ जाता है और दूसरा प्रभाव यह होता है कि अन्त:स्रावी तन्त्र विकृत बन जाता है। परेशानी और लज्जा से मुँह लाल हो जाता है। भय से चमड़ी सफेद हो जाती है। अप्रिय व्यक्ति को देखकर सिर या गर्दन में पीड़ा होने लगती है। आतंक के कारण पाँव ठंडे पड़ जाते हैं। हड्डियों की खराबी, पक्षाघात, मधुमेह, दन्त पीड़ा, गठिया, संग्रहणी जैसे दुस्साध्य रोगों का भी अस्वस्थ मन हेतु बन जाता है। तीव्र घृणा श्वास रोग और खीज व्रण के रूप में अभिव्यक्त होती है।

जेम्स कानिक ने लिखा है- 'मानसिक तनावों तथा आवेगों के कारण पित्ताशय की पथरी बढ़ जाती है। धमनियों पर छायी चर्बी फूल जाती है। प्राय: मन इन्हीं दोनों अस्त्रों से अपने शिकार को मारता है। मानसिक या भावनात्मक आवेग जितना ही बढ़ता है, एड्रेनेलिन नामक हारमोन उतनी ही अधिक मात्रा में रक्त में प्रवाहित होने लगता है। यह हारमोन छोटी धमनियों को संकुचित करता है। हृदय की धमनियाँ भी इससे प्रभावित होती हैं। अगर वे बहुत संकुचित हो जाती हैं तो चिपटे रहने से भी मुक्ति नहीं होगी। सही अर्थ में कषाय मुक्ति ही मनुष्य की मृत्यु हो जाती है।

यदि हम चिंता, भय और निराशा को वश में रखना सीख जाएं तो हमारा रक्त चाप संतुलित रहेगा, हृदय की धमनियां संकुचित नहीं होंगी और अहंभाव को प्रबल आघात लगने पर भी हमें कैंसर, क्षय, मधुमेह जैसे रोग नहीं होंगे।

बहुत प्राचीन काल से ही यह कहा जा रहा है-

चित्तायतं धातुबद्धं शरीर, चित्ते नष्टे बुद्धयो यान्ति नाशम्।
स्वस्थे चित्ते बुद्धय: प्रस्फुरन्ति,
तस्माच्चित्तं सर्वथा रक्षणीयम्॥

'यह धातु-बद्ध शरीर चित्त के अधीन है। चित्त के नष्ट होने पर धातुएं नष्ट हो जाती हैं। चित्त के स्वस्थ होने पर बुद्धियां स्फुरित होती है, इसलिए चित्त की सर्वथा रक्षा करो।'

श्वेताम्बरत्वे न दिगम्बरत्वे, न तर्कवादे न च तत्ववादे।
न पक्षसेवाश्रयणेन मुक्ति, कषायमुक्ति: किल मुक्तिरेव॥

'न श्वेताम्बर होने से मुक्ति होगी न दिगम्बर होने से। न तर्कवाद से मुक्ति होगी और न तत्ववाद से। अपने पक्ष से चिपटे रहने से भी मुक्ति नहीं होगी। सही अर्थ में कषाय मुक्ति ही मुक्ति है।'

कषाय-मुक्ति और समता एक ही अर्थ को प्रगट करने वाले दो शब्द हैं। कषाय का अर्थ है- क्रोध, मान माया और लोभ। इनसे मानसिक विषमता उत्पन्न होती है। कषाय मुक्ति का अर्थ है- क्रोध आदि से मुक्त होना, उन पर विजय पाना अर्थात् क्षमा, मुदुता, आर्जव और सन्तोष को प्राप्त करना। उनकी प्राप्ति से मानसिक समता उत्पन्न होती है।

व्यक्ति का जीवन जितना निश्छल और सरल होता है, उतना ही वह काल्पनिक भय से दूर रह सकता है। निश्छलता का अर्थ है- कषाय-मुक्ति। व्यक्ति का जीवन जितना शान्त होता है, उतना ही वह स्नायविक तनाव से बच सकता है। शान्ति का अर्थ है- कषाय-मुक्ति। व्यक्ति का मानस जितना ममत्वहीन होता है, उतना ही वह स्नायविक तनाव से बच सकता है। निर्ममत्त्व का अर्थ है- कषाय-मुक्ति। व्यक्ति जितना मृदु होता है, उतना ही वह विषम मनोदशा से बच सकता है। समता का अर्थ है- कषाय मुक्ति।

हम कषाय-मुक्ति या समता के सिद्धान्त को समझकर ही भगवान् महावीर को समझ सकते हैं, अन्यथा महावीर हमारी श्रद्धा में व्याप्त हो सकते हैं, हमारे जीवन में नहीं।

निजात्म-रमण ही अहिंसा है

- प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी

अहिंसा के अभाव में आत्मोपलब्धि असम्भव है। बाहर आना ही हिंसा है और अन्दर रहना ही अहिंसा है। आत्मविकल हो जाना, आत्मा में आकुलता हो जाना ही हिंसा है।

'जीओ और जीने दो' स्वयं जीओगे तभी दूसरे को जीने दोगे, जिन्हें स्वयं अपना जीना ही पसंद नहीं उनसे क्रूर और निर्दयी और कौन हो सकता है?

आप भी भगवान् हैं किन्तु एकमात्र हिंसा व अहिंसा का प्रतिफल है कि आप भगवान् के समान होकर भी भगवान् का अनुभव नहीं कर पा रहे हैं।

महावीर भगवान् के निर्वाण के उपरान्त तीर्थंकरों का जो अभाव हुआ वह इस क्षेत्रगत प्राणियों का एक प्रकार से अभाग्य ही कहना होगा। भगवान् के साक्षात् दर्शन व उनकी दिव्य-वाणी के पान करने का जब सौभाग्य प्राप्त होता है तो संसार की असारता के बारे में स्वयं ही ज्ञान एवं विश्वास हो जाता है। भगवान् के माध्यम से जो कार्य हो सकता था वह कार्य उनके उपरान्त भी कर सकते हैं। आचार्य परम्परा अक्षुण्ण बनी रहे और उनमें भी प्रौढ़ आचार्य जिनका जीवन हमारे लिये प्रेरणादायक है वे आचार्यकल्प बने रहें। उन्होंने, जिस ओर भगवान् जा चुके हैं- पहुँच चुके हैं, उस ओर जाने का मार्ग प्रशस्त किया है। जो संसार से ऊपर उठने की इच्छा रखते हैं उन्हें एक प्रकार का दिग्दर्शन दिया है, दिशाबोध दिया है किन्तु यह ध्यान रहे कि उनके दिग्दर्शन का लाभ लेना इतना आसान नहीं है जितना कि हम लोग समझते हैं।

उन्होंने जीवन भर मंथन, चिन्तन व मनन करके, नवनीत रूप में जो कुछ भी साहित्य प्रस्तुत किया, उसमें अवगाहन करना, उसमें से ही जो कुछ अपने चिन्तन के माध्यम से मैं निकाल सका हूँ वही आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ।

आचार्यों के साहित्य में अध्यात्म की ऐसी धारा बनी है कि कोई भी ग्रंथ उठायें, कोई भी प्रसंग उठायें, उन ग्रन्थों में से कोई भी गाथा ले लें, गाथा में भी कोई भी पद देखें, तो वह पाठक के लिये पर्याप्त होगा, उसमें से वह रस, वह संवेदन, वह अनुभूति पाठक को भी प्राप्त होगी जो उन आचार्यों को प्राप्त हुई थी, इसको प्राप्त करने वाले कितने जीव होंगे? पर इसका अर्थ यह भी नहीं कि उसको कोई भी प्राप्त नहीं कर सकता और न ही यह अर्थ है कि सभी प्राप्त कर लेंगे।

मात्र अहिंसा का सूत्र आप लें। भगवान् महावीर ने 'अहिंसा' की उपासना की, उनके पूर्व तेईस तीर्थंकरों ने उपासना की और उनके पूर्वजों ने भी इस अहिंसा की उपासना की। अहिंसा के अभाव में आत्मोपलब्धि नहीं कर सकते थे। उन्होंने इस अहिंसा के आलम्बन के लिए हम लोगों को भी प्रेरित किया है, आवश्यकता है उस ओर दृष्टिपात करने की।

विश्व का प्रत्येक प्राणी शांति चाहता है, सुख की इच्छा रखता है और दु:ख से भयभीत होता है। दु:ख निवृत्ति के उपाय में अहर्निश प्रयास करते रहे वही जीवन है, इस हेतु उपदेश भी संसारी जीवों के लिये ही है, संसारी जीवों में भी उन जीवों के लिये है जो वस्तुत: सुख चाहते हैं, प्रत्येक के लिये नहीं। हम सुख चाहते तो हैं, शांति चाहते तो हैं किन्तु तात्कालिक सुख, भौतिक सुख चाहते हैं, इन्हीं की इच्छा करते हैं। कल देखा जाएगा, आगे कर लेंगे इसी अनंत काल खो चुके हैं।

हम अनंतकालीन सुख की इच्छा रखते हैं कि मैं सुखी बना रहूँ इसके लिये ही तो भगवान ने अहिंसा का उपदेश दिया। वह अहिंसा बहुत गहराई में ही अभी तक पड़ी हुई है। उस अहिंसा का दर्शन करना भी स्वरूप समझना भी इस प्रकार के व्यस्त जीवों के लिए संभव नहीं है। यहाँ पर हजारों व्यक्ति विद्यमान हैं, किन्तु वे सब यहाँ पर श्रवण कर रहे हैं ऐसा मैं दृढ़ निश्चय के साथ नहीं कह सकूँगा, यह भी नहीं कह सकूँगा कि आप श्रवण कर ही नहीं रहे, श्रवण तो कर रहे हैं, पर श्रवण करने में भी सबमें कुछ अन्तर हो सकता है। इस समय प्रवचन समाप्ति की ओर बढ़ रहा है और आपके मस्तिष्क में ख्याल है कि प्रवचन समाप्त हो और चलें, यह जो आकुलता है यह जो अशांति है, यह अशांति आप लोगों को उस अहिंसा से दूर रखने में कारण बनती है। आत्मा में आकुलता होना ही हिंसा है, हिंसा का अर्थ आत्मा की आकुलता ही है। संसार में प्राणों के बिखर जाने को ही हिंसा बोलते हैं, वे प्राण शरीराश्रित प्राण हैं। विश्व इस तथ्य को दृढ़ करता है कि दूसरों को पीड़ा देना ही हिंसा है, यह हिंसा की अधूरी परिभाषा है। इस हिंसा के त्याग से जो अहिंसा जब कभी भी आयेगी वह अहिंसा भी अधूरी मानी जायेगी और इसके माध्यम से आत्मा की अनादिकालीन प्यास नहीं बुझ सकेगी।

हमें बचाओ, बचाओ, कह रहे हैं, चिल्ला रहे हैं और आचार्य कह रहे हैं- बचो, बचो! आप कहते हैं- जी जाने दो, जी जाने दो और आचार्य कहते हैं- जीओ, जीओ। कुछ लोग अहिंसा की परिभाषा देते हए कहते हैं कि भगवान् ने संदेश

दिया है कि जीओ और जीने दो। 'जीओ' पहले रखा और 'जीने दो' बाद में रखा, जो जीयेगा वही जीने देगा। जीना प्रथम है जिलाना बाद में। जीना प्रथम है तो किस प्रकार जीना है, प्रथम यह सोचना है। जिलाना बाद में है इसलिये जिलाने की सामग्री को भी बाद में खोजना।

जब भारतीय सभ्यता या साहित्य व पाश्चात्य सभ्यता की तुलना करते हैं तो विदित होता है कि कहाँ पर हिंसा अधिक हो रही है? भारत की तुलना में पाश्चात्य देशों में हिंसा अधिक होती है और हो रही है। जो व्यक्ति सबसे अधिक हत्यारा होता है वही हिंसक माना जाता है। विदेशों में दूसरों की हत्याएं अधिक नहीं हुआ करती हैं बल्कि आत्महत्याएं अधिक हुआ करती हैं और यही सबसे अधिक खतरनाक चीज है। स्वयं अपना जीना ही उन्हें पसंद नहीं है, जो स्वयं के जीने को पसंद नहीं करते, स्वयं के जीने के लिये चिन्ता नहीं करते वे व्यक्ति अधिक खतरनाक होते हैं, उनसे क्रूर, निर्दयी और कोई नहीं हो सकेगा। वे दुनिया में शांति देखना पसंद नहीं करेंगे।

शांति के अनुभव में जो जीवन है, उसका महत्त्व नहीं जानना ही हिंसा का पोषण है। आत्मविकल हो जाना हिंसा है। रात-दिन बेचैनी का अनुभव करना, यही एक मात्र हिंसा है और उस व्यक्ति के माध्यम से काय की, वचन की और मन की जो चेष्टाएं होंगी उन चेष्टाओं का प्रभाव दूसरे पर भी पड़ेगा, इसके फलस्वरूप वह 'द्रव्यहिंसा' मानी जायेगी। द्रव्य हिंसा के माध्यम से दूसरे की हिंसा भी हो सकती है और नहीं भी हो सकती।

प्रत्येक धर्म अहिंसा की उपासना के लिये दबाव डालता है, जोर देता है और प्रचार-प्रसार करता है किन्तु महावीर भगवान् का संदेश यहीं तक सीमित नहीं रहता, वे कहते हैं कि प्राण दूसरे के नहीं अपने पास भी हैं। दूसरे के प्राणों का विघटन बाद में होगा, पहले अपने ही प्राणों का विघटन होता है। प्रथम, अपने प्राणों को विघटन होना ही वस्तुतः हिंसा है। हिंसा की यह अनोखी परिभाषा है, सही-सही परिभाषा है, यह हिंसा का सत्य स्वरूप है जो हिंसा का सत्य-स्वरूप जानेगा वही व्यक्ति अहिंसा को प्राप्त कर सकेगा।

'बिन जाने तैं दोष गुणन को कैसे तजिये गहिये।'

दोष क्या है? गुण क्या है? इसका सही-सही निर्णय जब तक हम नहीं कर पायेंगे तब तक गुणों का आदान व दोषों का निवारण नहीं हो सकेगा। आज तक हम लोगों ने अहिंसा का अनुमोदन किया है किन्तु यहीं तक किया है कि द्रव्य हिंसा से बचकर प्राणीमात्र के जीवन की इच्छा का प्रयास किया, उपचार किया। यह सब कुछ पहले किया और आत्मा की सुरक्षा बाद में। आत्मा की सुरक्षा तब हो सकती है जबकि भाव हिंसा से हमारा जीवन बिल्कुल निवृत्त हो जाये और जिस समय भाव हिंसा को तोड़ दें, भाव अहिंसा को अपना लें तो उसके अन्तर की महक/ खुशबू बाहर भी हो जाये, वह महक अन्दर से बाहर आ जाये।

जो व्यक्ति राग करता है, द्वेष करता है, अपनी आत्मा में व्याकुलता उत्पन्न कर लेता है वह व्यक्ति बंध को प्राप्त होता है और बंधन ही अपने लिये दु:ख का कारण है, दु:ख रूप है। जो व्यक्ति बंधन को प्राप्त करेगा, उसकी अनुभूति करेगा, दूसरे के ऊपर उसका प्रतिबिम्ब पड़े बिना नहीं रह सकता, वह भी उसका अनुसरण, उसकी नकल करना प्रारम्भ कर देगा।

एक मछली कुएं में मर जाती है, वह उस सारे जल को गंदा बना देती है। जीने के लिये जो तत्त्व था, जीवन था (जल को जीवन की संज्ञा भी प्राप्त है) वह उसमें समाप्त हो गया, विकृत हो गया वह कुआं भी विकृत हो गया। इसी प्रकार हमारे स्वयं के अन्दर, हमारी आत्मा के अन्दर जो राग प्रणाली अनादिकाल से विद्यमान है, वही एकमात्र 'नाग' है। वह जब तक अन्दर रहेगा, हिंसा भी होगी। हिंसा का कोई संपादनकर्ता है तो वह है राग प्रणाली, राग प्रणाली प्रमाद उत्पन्न कराती है। जीवन में प्रमाद, एक प्रकार से हत्या का समर्थन है। जो कोई भी प्रमाद को हिंसा को कोटि में गिनने वाले हैं वे सब भगवान् महावीर के उपासक हैं।

अपना ज्ञान, अपना दर्शन ही प्राण है। जो कुछ अपना जीवन है, वही है उपयोग, वह राग के द्वारा, द्वेष के द्वारा, क्रोध-मान-माया-लोभ के द्वारा विकृत हो जाता है। 'उपयोग' ही जीवन में क्या उपयोगी है, क्या अनुपयोगी है, इसका सही-सही भेद, सही-सही ज्ञान करा सकता है।

हिंसा दो प्रकार की होती है- प्रथम, द्रव्य हिंसा और द्वितीय भाव हिंसा। शारीरिक गुणों का घात करना द्रव्य हिंसा है और आध्यात्मिक जीवन में व्यवधान करना भाव हिंसा है, यह स्व की भी हो सकती है और पर की भी हो सकती है। जहाँ पर 'स्व' है वहाँ पर 'पर' भी नियमरूप से है। एक व्यक्ति रोता है तो वह दूसरे को भी रुलाता है। एक व्यक्ति हँसता है तो दूसरा रोता हुआ व्यक्ति भी हँस पड़ता है। फूल को देखकर बच्चा बहुत देर तक रोता नहीं रह सकता। फूल हाथ में पकड़ा दो तो वह रोता-रोता भी खिल जायेगा, हँस जायेगा और माँ को भी हँसा देगा। हँसाये ही, यह नियम नहीं है किन्तु जिस समय वह चक्षुरिन्द्रिय का विषय बनेगा उस समय परिवर्तन आये बिना नहीं रह सकता। कोई अकेला रो रहा हो तो किसी दूसरे को क्या दिक्कत हो सकती है? आप अपनी दृष्टि से कह सकते हैं कि मेरा रोना किसी दूसरे के लिए हानिकारक नहीं है किन्तु आचार्य उमास्वामी कहते हैं कि शोक करना/दीनता अभिव्यक्त करना सामने वाले व्यक्ति पर भी प्रभाव डाले बिना नहीं रहते।

(......शेष अगले अंक में)

भावभीनी श्रृद्धांजलि

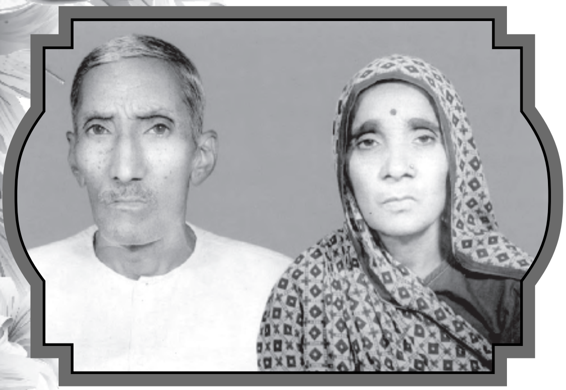

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र : पदम चन्द जैन, ***पौत्र-पौत्रवधु :*** पारस जैन-रश्मि जैन
पौत्री-दामाद : डिम्पल-राजेश जैन, सिम्पल-नितिन जैन, प्रीति-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र : चेल्सी जैन-अक्षत जैन

निवास : बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
मो.: 9829066317, 9414055855

पदमचन्द जैन
पारस जैन
यातातात सलाहकार

9829066317
9414055855

आर.टी.ओ. ऑफिस, राजस्थान पत्रिका के पास, झालाना डूंगरी, जयपुर

मन की शांति के 10 सूत्र

-गुरुदेव श्री चन्द्रप्रभ जी

1. मन शांत रखने के लिए सोच को सकारात्मक रखें। नकारात्मक सोच नरक का जाल बुनती है और सकारात्मक सोच स्वर्ग के महल बनाती है। नकारात्मकता के 'न' से ही नरक बनता है और सकारात्मकता के 'स' से ही स्वर्ग।
2. जीवन में सहजता अपनाएँ। सहजता मन की शांति का मंत्र है। जो सहज मिले उसे दूध की तरह स्वीकार कीजिए, जिसमें व्यर्थ की खींचतान और माथाफोड़ी हो उसे खून समझकर त्याग दीजिए।
3. व्यर्थ की लालसाओं में मत उलझिए। आवश्यकताएँ तो फकीर की भी पूरी हो जाया करती हैं, पर लालसाएँ तो सम्राटों की भी अधूरी रह जाती हैं।
4. मिजाज को हमेशा ठंडा रखिए। अगर कभी कुछ नुकसान हो भी जाए तो यह सोचकर टेंशन फ्री हो जाइए कि- 'की फ़र्क़ पैंदा। हो गया सो हो गया।' अन्यथा आप राई जितनी बात का भी पहाड़ जितना टेंशन पाल बैठेंगे।
5. दिमाग में लोड मत लीजिए। हाथ में काम उतना ही लीजिए जितना करने की क्षमता हो। आखिर थाली में उतना ही तो भोजन परोसना चाहिए जितना हम खा सकते हों।
6. माफी को महत्त्व दीजिए। खुद से गलती हो गई तो माफी माँग लीजिए और दूसरे से गलती हो गई तो माफ कर दीजिए। भला जब सॉरी कहने से प्रेम के पुल बन सकते हैं तो लम्बे समय तक द्वेष की दीवारों से सर क्यों टकराया जाए?
7. समझौतावादी नज़रिया अपनाइए। जैसा माहौल मिले, उसमें ढल जाइए। गीत याद रखिए- समझौता ग़मों से कर लो, जिंदगी में ग़म भी मिलते हैं। पतझड़ आते ही रहते हैं, मधुबन फिर भी खिलते हैं।
8. खुद को हँसता-मुस्कुराता गुलाब का फूल बनाइए। अगर आप अपना पुराना रोना ही रोते रहेंगे तो खुद के ही काँटों में उलझकर रह जाएँगे, वहीं अगर मुस्कुराने की आदत डाल लेंगे तो दूसरों के भी आँसू पोंछने में सफल हो जाएँगे।
9. भगवान पर भरोसा रखिए। भाग्य के अगर 99 द्वार बंद हो जाएँगे तब भी विश्वास रखिए कि भगवान हमारे लिए कोई-न-कोई एक द्वार खोल जरूर देंगे।
10. हर रोज 2 मिनट खूब खुलकर मुस्कुराइए, 15 मिनट योगाभ्यास कीजिए और 20 मिनट ध्यान। मुस्कुराने से तनाव दूर होगा, योग से तन-मन में स्फूर्ति का संचार होगा और ध्यान करने से अंतर्मन में आध्यात्मिक शांति और दिव्यता घटित होगी।

डॉ. अनुपम जैन को लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड

प्रसिद्ध जैन गणितज्ञ एवं जैन विद्याओं के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जैन विद्या मनीषी डॉ. अनुपम जैन को 22 जून 2024 को जैन विद्वत् अकादमी (Jain Academy of Scholars) अहमदाबाद द्वारा Lifetime Achievement Award द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अन्तर्गत प्रशस्ति, प्रतीक चिन्ह आदि प्रदान की गई। प्रशस्ति का वाचन प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् डॉ. नारायणलाल कछारा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश के विद्वान उपस्थित रहे जिसकी अध्यक्षता National Moon Mission के वैज्ञानिक एवं JAS के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र भंडारी ने की।

डॉ. अनुपम जैन को यह अवार्ड प्राचीन जैन गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा जैनाचार्यों के लौकिक एवं अलौकिक गणित के क्षेत्र में दिये योगदान को प्रकाश में लाने हेतु दिया गया। उनके द्वारा जैन पत्रकारिता तथा पांडुलिपि संरक्षण के क्षेत्र में लिये गये उत्कृष्ट कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। यह अवार्ड उनके द्वारा लिखी गई 2 दर्जन से अधिक पुस्तकों एवं शताधिक शोधालेखों के रूप में प्रदत्त साहित्यिक योगदान हेतु समर्पित किया गया।

ज्ञातव्य है कि डॉ. अनुपम जैन Indian Research Communication एवं अर्हत् वचन सदृश शोध पत्रिकाओं के सम्पादक एवं जैन तीर्थ वन्दना के प्रधान सम्पादक हैं एवं आपने म.प्र., राजस्थान, महाराष्ट्र आदि प्रान्तों की 1,80,000 पाण्डुलिपियों की सूचीकरण एवं संरक्षण किया है। आप वर्तमान में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला में आचार्य गणित के रूप में पदस्थ है तथा प्राचीन भारतीय गणित शोध केन्द्र के निदेशक एवं भारत सरकार द्वारा स्थापित IKS Centre in Jaina Mathematics में Principal Investigator हैं।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा प्रो. जैन की इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

पत्रिका सदस्यता

3287. **Sh. Yogendra Jain,** 97, Mahaveer Nagar-II, Maharani Farm, Durgapura, Jaipur-302018, Mob.: 9351229371 *(CR D-3207)*

3288. **Sh. Ravi Jain**, K-28, 29, Narayan Vihar, Mansarovar, Jaipur-302020, Mob.: 9782086173 *(CR D-3208)*

3289. **Sh. Mahaveer Prasad Jain** C/o Vardhman Practical, Near PNB, Dhanwada Road, Kumher, Dist.. Deeg-321201 (Raj.), Mob.: 9983448619 *(CR D-3206)*

3290. **Sh. Sudhir Jain**, Plot No. 140, Kesari Nandan Colony, Opp. Madar Railway Station, Madar, Ajmer-305001, Mob.: 9461835714 *(CR D-3194)*

3291. **Dr. Piyush Jain**, E-19, VIth Floor, E-Block, ESIC Model Hospital Residential Campus, Hatwara Road, Sodala, Jaipur-302006 *(CR D-1889)*

3292. **Sh. Rohit Jain** S/o Late Sh. Ravikant Jain, 421. Subhash Puram, Bodla, Agra-282007 (U.P.), Mob.: 7906211748 *(CR D-3195)*

पत्रिका सहयोग

★ **श्री अनिल जैन, आशुतोष जैन** ने अपनी माताजी श्रीमती मोहरा देवी जैन पत्नी स्व. श्री हरीश चन्द जी जैन (रि. तहसीलदार, रामगढ़ वाले) अलवर के देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 500/- पत्रिका सहयोग हेतु भेंट किए। *(र.सं. डी-3209)*

★ **श्री योगेश कुमार जैन,** खेरलीगंज ने अपनी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन के देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 500/- पत्रिका सहयोग हेतु भेंट किए। *(र.सं. डी-3196)*

महासभा सहायता

★ **श्री अनिल कुमार जी जैन, श्री सुनील कुमार जी जैन** सुपुत्र स्व. श्री खैराती लाल जी जैन, निवासी 526,स्कीम न. 2, लाजपत नगर , अलवर ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती महेश कुमारी जी जैन की पुण्य स्मृति में रु. 1100/- भेंट किए। *(र.सं. 8290)*

★ **श्री अनिल जैन, आशुतोष जैन**, ए-46, आर्य नगर, अलवर ने महासभा सहायता हेतु रु. 500/- भेंट किए। *(र.सं. 8289)*

विधवा सहायता

★ **श्री नमन जी पालीवाल, नरेन्द्र कुमार अर्पित जैन, सतीश जैन**, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 2200/- भेंट किए। *(र.सं. 8280)*

★ **श्रीमती कमला देवी जैन** धर्मपत्नी श्री केदार प्रसाद जैन, विवेकानन्द नगर, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 36000/- भेंट किए। *(र.सं. 8281)*

★ **श्री रमेश चन्द जी पंकज जी जैन,** जैन पब्लिक स्कूल, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली ने विधवा सहायता हेतु रु. 11000/- भेंट किए। *(र.सं. 8282)*

★ **महिमा जी** ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/- भेंट किए। *(र.सं. 8283)*

★ **श्री अशोक कुमार जी चिराग जी जैन** (पुथी वाले) रामगढ़ ने विधवा सहायता हेतु रु. 5000/- भेंट किए। *(र.सं. 8284)*

★ **श्री महावीर प्रसाद जी दिनेश चन्द जी जैन**, बानमोर, मुरैना ने अपनी माताजी के देहावसान पर उनकी पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 12000/- भेंट किए। *(र.सं. 8285)*

★ **गुप्तदान** द्वारा विधवा सहायता हेतु रु. 12000/- भेंट किए। *(र.सं. 8286)*

★ **श्री विमल कुमार पारसमल जैन, शीतल प्रसाद जैन,** ए-59, हसन खां मेवात, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 2100/- भेंट किए। *(र.सं. 8287)*

★ **श्री रमेश चन्द जी पंकज जी जैन,** जैन पब्लिक स्कूल, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली ने विधवा सहायता हेतु रु. 11000/- भेंट किए। *(र.सं. 8288)*

पुण्य मंगल है। अगर पुण्य है तो सब ओर मंगल ही मंगल है और पुण्य नहीं तो मंगलवार के दिन भी अमंगल है।

पैसा, प्रतिष्ठा और प्रशंसा ही मत कमाओ, पुण्य भी कमाओ क्योंकि पैसा, प्रतिष्ठा, प्रशंसा - ये सभी पुण्य के अनुचर हैं।

पुण्य है तो पैसा है, पुण्य है तो प्रतिष्ठा है, पुण्य है तो प्रशंसा है।

पुण्य नहीं तो कुछ नहीं और हाँ!

मत भूलो कि पुण्य का पन्ना पलटने में वक्त नहीं लगता है अत: वक्त के रहते पुण्य का संचय कर लो।

-क्रांतिकारी संत मुनिश्री तरुणसागर जी

स्व.श्री किशनचन्द जी जैन

(19.06.1929 - 19.06.2017)

आपके स्नेह, प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से स्थापित

DRISHTI IVF CENTRE

UNIT OF JAIN HOSPITAL

अब हर आंगन में गूंजेगी प्यारी किलकारी

जैन अस्पताल लाडनूं के द्वारा नागौर व चुरू जिले का

प्रथम IVF Centre

सुविधाएं

- फर्टिलिटी जाँच
- हीस्ट्रोस्कोपी
- लेप्रोस्कोपी
- सोनोग्राफी
- Hysterosalpingography
- IUI कृत्रिम गर्भधान
- Saline Infusion सोनोग्राफी
- IVF परखनली शिशु विधि
- TESA/PESA
- सोनोग्राफी 3D/4D
- IVF/ICSI

डॉ. अनिता जैन

वरिष्ठ महिला चिकित्सक

डॉ. हार्दिक साहनी

हड्डी रोग विशेषज्ञ, जॉइंट रिप्लेसमेंट व ट्रॉमा सर्जन

डॉ. देवेंद्र जैन

वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ व सोनोलॉजिस्ट

डॉ. दृष्टि जैन

स्त्री व प्रसूति रोग एवं इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट व लेप्रोस्कोपिक सर्जन

MS OB-GYN, FMAS, FRM, Infertility Specialist, Fellowship in Infertility Ahemdabad, Fellowship in Laproscopy, Jaipur, Ex. Senior Resident at SDN Government Hospital, Delhi

प्रतिदिन उपलब्ध सेवाएं

NICU, PICU, HNFC, वेंटीलेटर, फोटोथेरेपी, पल्स ऑक्सिजन कंसंट्रेटर, नॉर्मल डिलीवरी, सीजेरियन, बच्चेदानी का ऑपरेशन, HSG, IUI, Colposcopy, सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर, लेबोरेटरी, सोनोग्राफी, Digital X-Ray, Private Room, AC Room, Medical Store, हड्डी एवं जोड़ संबंधित ऑपरेशन

जैन अस्पताल, पावर हाऊस के सामने, लाडनूं

01581-226934 • संपर्क सूत्र 9602013032 (सुरेश)

हार्दिक शुभकामनायें

प्रिय
प्रणवी

(सुपौत्री श्री विनोद कुमार जैन-शकुंतला जैन)

को
जन्मदिन
के अवसर पर
हम सभी
परिवारजन की
ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

योगिता जैन-राहुल जैन, गौरव जैन-निशु जैन,
पुनीत जैन-सुरुचि जैन, पार्थ एवं पर्विका

विनोद कुमार जैन
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

★ के-84, बाल उद्यान मार्ग, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
★ 5405, लड्डू घाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055
★ बी-3/33, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
दूरभाष : 9810822840/44

BLUE STAR

Mr.Amit Jain (Shanky)
Jaipur (Kherli)

Mr.Kranti Jain
Jaipur (Kherli)

Mr.Mohan Kumar
Jaipur

ATREO

ATREO INTERNATIONAL

An Authorised BLUESTAR Channel Partner:-

Deals In:- Air Conditioning & Refrigeration Products

Split | Deep Freezer | Water Cooler | Ductable | Cold Room | Cooling Tower | VRF

Ind. Chiller | Air Cooler | Water Purifier | Air Purifier

Exclusive Showroom : 11/61, Kaveri Path, Mansarovar, Jaipur - 302020 (Raj.)
Ph : 9785105777, 9636607999, 9828105777

Reg. Office : P. No. 08, Sumer Nagar Vistar, Mansarovar Ext., Jaipur - 302020
Ph : 9785105777, 9636607999, 8561030303

Power Retailer No. 1 in North Region FY-2021-22

Power Retailer No. 1 in North Region FY-2022-23

E-mail : amit@atreointernational.com // Visit us : www.atreointernational.com

D.D. JAIN & CO.
ddjain_000@yahoo.co.in

BROKER & COMMISSION AGENTS :
EMPTY TIN 2, 5, 10 AND 15 LTR IN ALL QUALITY
HDPE JARS, CORROGRATED BOXES • LABLE • MULTI LAYER FILM
CONSULTNAT : OIL INDUSTRIES & PACKING MATERIAL PLANT
BRAND REGISTRATION • PATENT • TRADEMARK • COPYRIGHT
ISO • FSSAI REG. • MSME/SSI REGISTRATION • BARCODE

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :
PREMIX (VITAMIN A&D2) FOR OIL FORTIFICATION
EMPTY PET BOTTLES / JAR, PREFORMS
SEMI & FULLY AUTOMATIC BOTTLE/JAR/TIN FILLING MACHINES
POUCH MACHINE • STRAPPING MACHINE • SHRINK TUNNEL
ALUMINIUM FOIL & INDUCTION WED SEALING MACHINE
PRINTING MACHINE • BATCH CODER • MICRO FILTER
TICKLI AND SPOUT SEALING MACHINE ETC.

PALLIWAL UDYOG
udyogpalliwal16@gmail.com

YOUR'S SERVICE
yourservice99@yahoo.co.in

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :
PLAIN AND PRINTED BOTTLE CAP (AGMARK APPROVED PRINTER)
PVC SHRINK IN ALL SIZES • TICKLI AND SPOUT FOR TIN
STRAPPING ROLL • BOPP TAPE
ALUMINIUM / BLUSTER FOIL AND INDUCTION WED
ALL TYPE OF CAPS

OLD MACHINERY AND PLANT
ELECTRONIC ITEMS
LABOUR CONTRACTOR
CATERER & EVENT ORGANIZER
SERVICE PROVIDER
TRANSPORTER & OTHER SIMILAR SERVICES

MAHESH JAIN & CO.
companymaheshjain@gmail.com

T-22, ALANKAR PLAZA, CENTRAL SPINE
VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR-302023
PHONE : 0141-2232762, 2232766

KAPIL JAIN
+91-9887093314

MAHESH JAIN
+91-9414074476
jaindd2013@gmail.com

Awarded
Edible Oil
Motivator

आइए शुरू करें नई परम्परा

❊❊

वर्षायोग यानि कि चातुर्मास। चातुर्मास साधु भगवंतों एवं श्रावकों के लिए आत्मशुद्धि का स्वर्णिम अवसर होता है। चातुर्मास में लगभग प्रत्येक नगर में भक्ति धारा बहती है। इस चार माह के काल में सभी श्रावक यथायोग्य दान पुण्य कर पुण्यार्जन प्राप्त करते हैं एवं अपनी आत्मसंतुष्टि करते हैं।

आगामी माह में लगभग सभी शाखाओं में किसी ना किसी मुनिराज अथवा आर्यिका माता का वर्षायोग होगा। वर्षायोग होगा तो सभी श्रावकों में अधिक से अधिक बड़ी धनराशि खर्च कर, बड़ी से बड़ी बोली लेने की होड़ भी लगेगी। फिल्मी स्टाइल के बड़े-बड़े पाण्डाल बनाए जाएंगे। पूरे चार माह तक विभिन्न अवसरों पर लजीज व्यंजनों से भरपूर वात्सल्य भोज आयोजित किए जाएंगे। पूरे चार माह में साधु के कद अनुसार प्रत्येक शाखा का चातुर्मास बीस करोड़ से लेकर पचास करोड़ तक पड़ेगा।

आपने कभी विचार किया कि इतनी बड़ी धनराशि खर्च करने का क्या फायदा हुआ, इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद आपको क्या हासिल हुआ, हमने इतनी बडी राशि मात्र अपनी ईगो की संतुष्टि के लिए खर्च कर दी, पिछले वर्ष मैंने पत्रिका में 'चातुर्मास का बदलता स्वरूप' शीर्षक लेख के माध्यम से सभी को जागरूक करने का प्रयास किया था।

जरा विचार कीजिए हम इतनी बड़ी राशि अपनी ईगो की संतुष्टि हेतु व्यर्थ खर्च करने के बजाय उसका सदुपयोग किस प्रकार कर सकते हैं, किस प्रकार एक नई परम्परा की शुरुआत कर सकते हैं। मेरे विचार में एक सुझाव है।

हमारे समाज में कई बच्चे ऐसे हैं जो उच्च शिक्षा प्राप्त करके, अच्छी नौकरी प्राप्त कर अपना व अपने परिजनों का एवं अपनी समाज का नाम रोशन करना चाहते हैं साथ ही उनका सपना है कि उच्च शिक्षा के माध्यम से एक अच्छा इंसान बनें, एक अच्छा जीवन जीने में सक्षम बनें। लेकिन धन एवं संसाधनों के अभाव में उनके सपने अधूरे रह जाते हैं, वे अधूरी शिक्षा रह जाने से एक साधारण सा जीवन जीने के लिए मजबूर हो जाते हैं एवं अपने परिवार की जिम्मेदारियों के बोझ तले दब कर रह जाते हैं, उनकी विलक्षण प्रतिभा लुप्त हो जाती है।

मैंने केन्द्रीय महामंत्री श्री महेश जी जैन एवं अमृत महोत्सव संयोजक श्री सतीश जी जैन से इस विषय पर चर्चा की थी एवं आग्रह किया था कि अमृत महोत्सव के किसी भी कार्यक्रम में यह विषय लिया जाए। महेश जी एवं सतीश जी ने माना भी था कि यह एक विचारणीय विषय है एवं महासभा की आगामी मीटिंग में इस पर विचार विमर्श किया जाना आवश्यक है।

मैं अखिल भारतीय पल्लीवाल महासभा की समस्त शाखाओं से आग्रह करता हूं कि आगामी माह से लगभग सभी शाखाओं में वर्षायोग कलश स्थापना होगी। इस कलश स्थापना कार्यक्रम में अथवा पूरे वर्षायोग काल में प्रत्येक शाखा कम से कम एक ऐसे विद्यार्थी की शिक्षा के लिए धन की एवं आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था अवश्य करे। इस धन की व्यवस्था वर्षायोग में होने वाले व्यर्थ के खर्चों में नियंत्रण करके की जा सकती है। मेरा मानना है कि प्रत्येक शाखा प्रत्येक वर्ष यह व्यवस्था बड़ी आसानी से कर सकती है। इस व्यवस्था से किसी पर भी आर्थिक भार नहीं पड़ेगा, एवं हर वर्ष हमारी समाज का एक युवा अपने कैरियर को पाने में सफलता प्राप्त कर सकेगा।

यदि किसी शाखा में किसी साधु का वर्षायोग नहीं हो रहा है तो भी वह शाखा अपने स्तर चातुर्मास काल के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इस कार्य के लिए धन संग्रहित कर सकती है। यदि शाखा चाहे तो यह धनराशि विद्यार्थी को बिना ब्याज के लोन के रूप में भी दे सकती है।

भारतवर्ष की प्रत्येक शाखा से एक बार पुनः आग्रह है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करें एवं वर्तमान वर्षायोग से ही इस नई परम्परा की शुरुआत करने का प्रयास करें। हमारे इस छोटे से प्रयास से हमारे समाज को प्रत्येक वर्ष कई बड़े इंजीनियर, डॉक्टर एवं विद्वान प्राप्त हो सकते हैं एवं हमारा समाज निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हो सकता है।

-हेमंत जैन
पत्रिका प्रतिनिधि, अजमेर शाखा

कर्म ही धर्म है

धर्म शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'धृ' धातु से हुई है जिसका अर्थ है- 'धारण करने योग्य' अर्थात जो भी कार्य धारण करने योग्य है वही धर्म है। धर्म का अर्थ केवल मंदिर जाना, पूजा करना, भजन करना ही नहीं है। धर्म के अन्तर्गत सभी अच्छे कार्य जैसे बड़ों का आदर-भाव, छोटों के प्रति स्नेह, सेवा-भाव, असहाय की सहायता करना, दान देना, प्यासे को पानी पिलाना, परिवारजन के साथ मेल-जोल रखना, मधुर व्यवहार बनाये रखना और विनम्रता आदि जितनी भी अच्छी बातें हैं, वे सब समाहित हैं। मंदिर जाने से आत्मा पवित्र होती है, मन को सुकुन मिलता है। पूजा, विधान, जाप, अभिषेक और दान ये सब पाप से दूर होने के निमित हैं। हम गृहस्थ जीवन जी रहे हैं, यदि हम भगवान नहीं बन सकते हैं तो कम से कम भगवान के दर्शन और अभिषेक करके अपनी आत्मा को पवित्र कर सकते हैं, अपने बुरे कर्मो का क्षय कर सकते हैं। मन, वचन और काया की एकाग्रता में ही शक्ति है। जब ये तीनों एक हो जाएंगे तो कर्मों को जलाने में समय नहीं लगेगा।

'जीवन शुरु होता है, खाली किताब से
और खत्म होता है, कर्मों के हिसाब से'

सभी धर्म हमें अच्छे कार्य करने और बुरे कार्य छोड़ने की प्रेरणा देते हैं। हिन्दू धर्म 'कर्म और पुर्नजन्म' सिद्धान्त पर आधारित है। इसका अर्थ है जन्म होगा तो मरण भी होगा और पुर्नजन्म भी होगा। मनुष्य जैसे कर्म करेगा उसे वैसा ही फल मिलेगा अर्थात् 'जैसी करनी वैसी भरनी'। हर मनुष्य इस बात से चिर परिचित है फिर भी न जाने वह स्वार्थवश अपने जीवन में अनेक ऐसे कार्य करता है जिससे स्वयं का हित और दूसरों का अहित होता है। आज हमें दो-चार दिन के लिए कहीं बाहर घूमने जाना होता है तो हम जाने से पहले तैयारी करते हैं, अपनी जरूरत का सामान खरीदकर लाते हैं और उत्साह उमंग के साथ अपनी यात्रा का आनन्द लेते हैं।

लेकिन अपनी जीवन यात्रा में हमें यह पता है कि यह कार्य उचित है और यह कार्य अनुचित है फिर भी हम बिना मतलब के प्रपंच में पड़कर स्वार्थवश अनुचित कार्य करते हैं जबकि हमें पता है कि हमें अपने अच्छे व बुरे कर्मो का फल भुगतना पड़ेगा। कर्मों के कारण तो भगवान को भी उपसर्ग सहना पड़ा, हम तो एक मामूली इंसान हैं। कर्म हमारा पीछा नहीं छोड़ते हैं इसलिए हमें एक जीवन यात्रा पूरी करके दूसरे जीवन में जाने के लिए भी विशेष तैयारी करनी चाहिए।

हमने जैन कुल में जन्म लिया है, हम जानते हैं कि हमारे साधु-साध्वी किस तरह कठोर चर्या की पालना करते हैं, हमें उनके प्रवचनों को सुनना, समझना चाहिए जिससे हम उनकी अच्छी बातों की अपने जीवन में पालना कर सके और अपने बुरे कर्मों का क्षय कर सकें। जब हमारी आत्मा सुन्दर हो जाएगी तो शरीर स्वतः ही सुन्दर हो जाएगा। आचार्य महाप्रज्ञ जी द्वारा अणुव्रत सिद्धान्त बताये गये। अणु का अर्थ- सूक्ष्म (छोटा) और व्रत का अर्थ नियम से है। अतः हमें गृहस्थ जीवन में छोटे-छोटे नियमों की पालना करते हुए पुण्य का पथ पकड़ना चाहिए।

जब एक बालक जन्म लेता है तो रुदन के साथ जगत में आता है, समय के साथ वह विभिन्न अवस्थाओं के साथ गुजरता है और अंतिम समय में उसके कर्मों को ही याद किया जाता है। यह बात सत्य है कि 'रोते-रोते इस संसार में आये लेकिन ऐसे कर्म करो कि अंतिम विदाई के समय संसार रोने लग जाए।'

'मुठ्ठी बांधे जन्म लिया, हाथ पसारे जाना है
इस धरा का, इस धरा पर, सब धरा रह जाना है।'

अकर्म से कर्म नष्ट होता है, विशुद्धि से अशुद्धि नष्ट होती है और ज्ञान से अज्ञान नष्ट होता है। अतः धर्म के माध्यम से विशुद्धि और ज्ञान को बढ़ाना चाहिए।

-रजनी जैन
80, शक्ति नगर, जयपुर

मन और इन्द्रियों को नियंत्रित करना तप है। तप वीतरागी संतों को मोक्ष ले जाता है तो रागी संतों को स्वर्ग प्रदाता है। मेरे नजरिये से किसी भूखे को रोटी खिलाना भी तप है, किसी प्यासे को पानी पिलाना भी तप है, लोगों को भ्रूण हत्या से रोकना भी तप है। मंदिर निर्माण की अपेक्षा संस्कारों का निर्माण भी तप है। समाज के कमजोर व्यक्ति का उत्थान भी तप है और तो और रोते को हंसाना भी तप है।

-क्रांतिकारी संत मुनिश्री तरुणसागर जी

बधाई

भावना जैन पुत्री श्री पारस कुमार जैन (साहिडा वाले) का भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुम्बई में साईन्टिस्ट (वैज्ञानिक) के पद पर चयन होने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

निधी जैन पुत्री श्री चंचल जैन (के.का.स. अलवर) का एस.बी.आई. में सलेक्शन होने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

आयुषी जैन (सुपौत्री स्व. श्री दीवान भगवत स्वरूप जी एवं श्रीमती शांति देवी जैन) एवं (सुपुत्री श्री दीवान राजकुमार जैन एडवोकेट एवं श्रीमती मंजू जैन) निवासी दीवान जी की लाल हवेली, समीप मुंशी बाग का कुआं, अलवर को सी.ए. बनने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

श्रीमती अनुष्का जैन धर्मपत्नी श्री हनी जैन, पुत्रवधू श्रीमती नीलम एवं श्री अजय जैन, मानसरोवर, जयपुर और पुत्री श्रीमती शारदा एवं श्री मुकेश जैन चौधरी अलवर के सी.ए. बनने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

श्री राहुल जैन पुत्र श्री सुभाष चंद जैन एवं श्रीमती चमन जैन को निवासी धौलपुर को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र व उप-मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा द्वारा वर्ष 2023 के मास्टर ऑफ साइंस (गणित) का गोल्ड मेडल व प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वर्तमान में राहुल जैन अध्यापक के पद पर शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

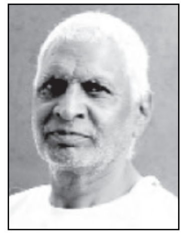

श्री भागचंद जैन, निवासी एन.ई. बी. विस्तार, प्रीत विहार, ट्रांस्पोर्ट नगर, अलवर ने सी.ए. की 76वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सी.ए. मैराथन विकसित भारत दौड़ प्रतियोगिता में वरिष्ठ आयु वर्ग में प्रथम रनर अप विजेता बनने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

कीर्ति जैन पुत्री श्री सुशील कुमार जैन (कंजौली वाले) को कक्षा 12वीं में 96% अंक प्राप्त करने पर राजस्थान पत्रिका द्वारा आयोजित प्रोग्राम के दौरान दिनांक 13 जुलाई 2024 को शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर द्वारा पुरस्कृत किया गया। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

कुशाल जैन सुपुत्र श्री पंकज कुमार जैन, सुपौत्र श्री अशोक कुमार जैन (रसीदपुर वाले) महवा का आई.आई.टी. कानपुर में इलेक्ट्रीकल ब्रांच में प्रवेश हो जाने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

चिराग जैन सुपुत्र श्री श्रीकान्त जैन एवं श्रीमती ज्योति जैन, निवासी शाहजी का चौक, मुंशी बाजर, अलवर द्वारा सी.एम.ए. फाउण्डेशन 274 अंक प्राप्त कर पास करने पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

तरूण जैन सुपुत्र श्री अविनाश कुमार जैन, सुपौत्र श्री विमल चन्द जैन शाहा (हरसाना वाले) अलवर को आई.आई.टी. कानपुर से एम.टेक. (सिविल ब्रांच) की डिग्री प्राप्त करने पर अ.भा.प. जैन महासभा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

बधाई

मास्टर तुषार जैन का भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग प्रोत्साहन योजना के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण में भारत-अमेरिका क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में चयन हुआ है। इस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 20 विद्यार्थियों का ही चयन हुआ है।

वर्तमान में एमएनआईटी, जयपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र हैं। इसके लिए तुषार जैन को 22 जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक एडवांस प्रशिक्षण के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास के लिए विश्व प्रसिद्ध प्रतिष्ठित पर्ड्यू विश्वविद्यालय, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में उन्नत प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए शिकागो, संयुक्त राज्य अमेरिका रवाना हो गये हैं, जिसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर निर्माण और विनिर्माण के प्रमुख पहलुओं, जिसमें चिप्स विनिर्माण की प्रक्रिया निगरानी और नियंत्रण तथा उन्नत ज्ञान प्रदान करना है। इससे पहले तुषार जैन योजना के द्वितीय चरण के लिए चयन के उपरांत 24 जून से 12 जुलाई, 2024 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद में सेमीकंडक्टर विनिर्माण की पूरी प्रक्रिया का प्रायोगिक अनुभव प्राप्त किया।

तुषार जैन के पिता श्री अजीत कुमार जैन, एनएचडीसी में प्रबंधक जनसंपर्क के पद पर कार्यरत हैं तथा माता श्रीमती रचना जैन गृहणी हैं, इसके लिए सभी परिवार जन हर्षित व गौरवान्वित हैं।

संस्कार

हे भव्य जीव ! सुसंस्कार तो जीवन की उज्जवल ज्योति है, संस्कार जीवन में जिसासा का दीपक संजोता है तो जीवन कल्प वृक्ष बन जाता है। संस्कार फैक्ट्री है मनुष्य से मानव बनाने की। मन को डोरी से बाँध कर रखता है। और आत्मा के प्रकाश को जगमगाता है माणि के प्रकाश की भाँति। सुसंस्कार का चेहरा खिलखिलाता रहता है- चाँद और सितारों की तरह, घर को महकाता है और खुशियों की वर्षा करता है। अपने आँगन को ऊंचाईयों की ओर ले जाते हुए, संस्कार के बीजों का वितरण कर खुशबू उत्पन्न करता है।

हे मानवीय- जिज्ञासा से ही उत्तम संस्कारों के फूल खिलते हैं, बिना काटों के फूल नहीं खिलते। बिना घी के दीपक नहीं जलते। सुसंस्कारों के बिना सिद्धियाँ नहीं मिलती। संस्कार के बिना आचार-विचार उत्तम नहीं रहते। विनम्रता सेवा भाव के जागरण का सवाल ही नहीं, खुशियाँ नदारत हो जाएंगी। अत: जीवन्त अवस्था में तुम्हें जागना होगा, सुसंस्कार की फैक्ट्री में दाखिला लेना ही होगा।

हे श्रेष्ठीजन- तुम्हें तपना होगा। जो तपता नहीं वह पकता नहीं। जो पकता नहीं उसमें संस्कार नहीं। जिसमें सुसंस्कार नहीं उसमें मानवता नहीं, जिसमें मानवता नहीं, वह क्रूर पशु तुल्य है। तूप पकने की फैक्टी है। आम पकता है तपने के बाद, रोटी पकती है तपने के बाद, सोना चमकता है तपने के बाद और देखिए सूर्य तपता हुआ दुनियाँ को रोशन करता है, अगर सूर्यदेव स्वयं की तपने की फैक्ट्री बन्द कर दे तो मनुष्य जीवन खतरे में पड़ जाय, मन की शुद्धि तपना है, साधना एवं संयम भी तपने के सूत्र हैं। इस प्रकार व्यवहार को महकदार बनाना है। महकदार संस्कार खुशबू फैलाते हैं, बुजुर्ग दर बुजुर्ग संस्कारों को पोटरी में बाँधकर छोड़ गये हैं, उनको खोलकर जीवन में उतारना है।

संस्कार न आसमान से बरसता है न ही धरती से उपजता है। और न ही किसी दुकान पर बिकता है बुजुर्गो की पोटली से व्यवहार का पौधा खिलता है उनके पुष्पों को प्रसारित करता है।

हे भव्य आत्मा- संस्कार विश्वास, ईमानदारी, सत्यता, आत्मा को सभ्यता की डोरी से बांधता है। संस्कार तो खुशियों का लहराता समुद्र है। संस्कार एक ऐसा दीपक है जिसकी रोशनी चहुं दिशा में फैलती है, अरे भाई मुस्कान और मदद ये दोनों ऐसे इत्र हैं जितने ज्यादा छिड़कोगे उतनी खुशबू फैलगी। अहंकार के वृक्ष पर केवल विनाश के फल लगते हैं। प्रभु की लाठी में आवाज नहीं होती और दिखाई भी नहीं देती। लेकिन मार ऐसी लगाती है कि संकटों, व्याधियां, बिमारियां, विपत्तियों से झोली भर देती है। हे जन श्रावक- आईए बुजुर्गो की विराट वृक्ष की छाँव के नीचे, और लीजिए अनुभवों की पाठशाला में दाखिला तथा संस्कारों के बाजार में प्रदर्शनी शो देख सकें। तथा संस्कारों का स्वाद एक बार चख कर तो देख। इसका स्वाद आपके रोम-रोम में फैलने पर आप चमकेंगे कोहिनूर हीरे की भाँति।

हे बन्धु- चले जाऐंगे एक दिन किसी खुबसूरत कफन का नसीब बनकर। जिन्दगी में एक रात ऐसी भी होगी जिसके बाद कोई सवेरा नहीं होगा। अत: बाँटते रहिए संस्कारों का परसाद कुछ मुस्कराहट के साथ।

*-**छगनलाल जैन,** रि. अध्यापक, हरसाना वाला (अलवर)*

शोक संवेदना

श्रीमती महेश कुमारी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री खैराती लाल जी जैन निवासी 526, स्कीम नं. 2, लाजपत नगर, अलवर का दिनांक 30.06.2024 को देवलोकगमन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

श्रीमती मोहरा देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री हरिशचन्द जी जैन (रामगढ़ वाले) अलवर का 94 वर्ष की आयु में दिनांक 14.06.2024 को देवलोकगमन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

श्री यतीन्द्र कमार जी जैन (रि. आमीन पी.डब्ल्यू.डी.) पुत्र स्व. श्री अमर चन्द जी जैन (किरावली वाले) निवासी 127, वसुन्धरा पंचशील, गिरधरपुर, मथुरा का स्वर्गवास दिनांक 30.06.2024 को हो गया है। आप सरल हृदय, मृदुभाषी एवं धर्म परायण थे।

श्री प्रकाश चंद जी जैन सुपुत्र स्व. श्री हजारी लाल जी जैन (मुबारिकपुर वाले) निवासी अजमेर का निधन दिनांक 13.07.2024 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

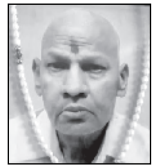

श्री सुरेश चंद जी जैन (रि. कानूनगो) पुत्र स्व.श्री रामप्रसाद जी जैन, ग्राम बिचगांवा, तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर का स्वर्गवास दिनांक 22.06.2024 को हो गया है। आपका जीवन सहज, सरल एवं सादगी से परिपूर्ण था।

श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन पत्नी श्री योगेश जैन (भाई लाला) खेरली गंज का निधन दिनांक 20.06.2024 को हो गया है। आप सरल हृदय, मृदुभाषी एवं धर्म परायण महिला थीं।

श्री छगन चन्द जी जैन (खोह वाले) का स्वर्गवास दिनांक 17.07.2024 को हो गया है। आप सरल हृदय, मृदुभाषी एवं धर्म परायण थे।

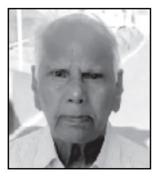

श्री घासीलाल जी जैन (सेनि. पंचायत प्रसार अधिकारी, शेखपुरा वाले) हिण्डौन सिटी का देवलोक गमन दिनांक 14.07.2024 को हो गया है। आप सरल हृदय, मृदुभाषी एवं धर्म परायण व्यक्तित्व के धनी थे।

अ.भा.प. जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना प्रकट करती है।

हम भी तो कुछ देना सीखें

सूरज हमें रोशनी देता, हम भी तो कुछ देना सीखें।
जो कुछ हमें मिला है प्रभु से, उसे बाँटकर खाना सीखें॥

चंदा हमें चाँदनी देता, बादल बरसाते पानी।
अग्नि सबकी रोटी सेके, माँ देती है गुड़ धानी।
हम भी तो कुदरत के बच्चे, हम भी तो कुछ देना सीखें॥

सरवर सबकी प्यास बुझाता, तरुवर देते हैं छाया।
ज़हर पी गए खुद शिव-शंकर, अमृत जग को लौटाया।
देव ना सही मानव बनकर, दुनिया को कुछ देना सीखें॥

जो अनपढ़ हैं, उन्हें पढ़ाएँ, भूखों को भोजन देवें।
सड़कों पर रहने वालों को, रहने को छप्पर देवें।
अंधे-बहरे-गूँगों को हम, नया सवेरा देना सीखें॥

प्रभु उनके हैं जो अपनी, प्रभुता का अंशदान करते।
'चन्द्र' उन्हीं से प्यार करे जो, औरों के आँसू पीते।
फूल नहीं बन सकते तो, काँटों को हटाना हम सीखें॥

शाखा आगरा ग्रामीण - मिढाकुर

अमृत महोत्सव-2024 के अन्तर्गत दिनांक 7 जुलाई 2024 को प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 11:00 बजे तक श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मिढ़ाकुर के तत्वाधान में राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस कैंप (शिविर) का आयोजन होटल लता पैलेस मिढ़ाकुर में किया गया।

चिकित्सा कैंप का उद्घाटन क्षेत्र के प्रधान श्री रामवीर एवं अ.भा.प. जैन महासभा के उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री देवेश जैन, राकेश जैन द्वारा फीता काटकर किया गया तत्पश्चात 1008 भगवान पार्श्वनाथ के चित्र का अनावरण अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र जैन, श्री सुभाष चंद्र जैन, श्री मनीष जैन द्वारा किया, साथ ही मंत्री श्री निर्मल जैन, अनिल जैन, मनकेश जैन द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। चिकित्सा शिविर के संयोजक श्री रूपचंद जैन थे। डॉ. दिनेश सिंह (आगरा) द्वारा नवीन तकनिकी जापानी मशीन से 65 लोगों की पूरी बॉडी की जांच हुई एवं स्वास्थ्य ठीक करने के लिए डॉ. द्वारा उचित परामर्श दिया गया। चिकित्सा शिविर में ग्रामीण अंचल से 28 गांव के समाज जनों ने लाभ लिया एवं समाज के अलावा अन्य समाज के लोग ने भी अपनी जांच करवाई।

श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मिढ़ाकुर के पदाधिकारीयों और ग्रामीण अंचल शाखा पदाधिकारीयों द्वारा अपने विचार रखे गए। डॉ. दिनेश सिंह एवं सभी अतिथियों का माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। चिकित्सा शिविर में बाहर से पधारे सभी महानुभावों को अल्पाहार कराया गया।

चिकित्सा शिविर में निम्न लोग उपस्थित रहे- ग्रामीण अंचल शाखा अध्यक्ष विनोद जैन, शाखा मंत्री संजीव जैन, शाखा अर्थमंत्री सुशील जैन, जगदीश प्रसाद जैन, ललित जैन, सुनील जैन, बंटू जैन, देवेंद्र जैन, विकास जैन, अजीत जैन, मन्दिर अर्थमंत्री पंकज जैन, मुकेश जैन, योगेश जैन, दिशु जैन, सौरभ जैन, नितिन जैन, कृष जैन, ललित जैन, अमित जैन, जतिन जैन।

महिला मंडल की शाखा अध्यक्ष पूनम जैन, शाखा मंत्री कामिनी जैन, शाखा अर्थमंत्री मधु जैन, सत्यवती जैन, गीता देवी जैन, गुड्डी जैन, सुमन लता जैन, कुसुम लता जैन, पिंकी जैन, ममता जैन, सानू जैन, लक्ष्मी जैन (किरावली से) पिंकी जैन (बरारा से), श्वेता जैन।

अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र जी द्वारा चिकित्सा शिविर में पधारे सभी लोगों को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम संयोजक श्री रूपचंद जैन के योगदान की बहुत-बहुत सरहाना की।

शाखा आगरा ग्रामीण - अछनेरा

दिनांक 14 जुलाई 2024 को श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर अछनेरा में प्रातः 7:00 बजे से अभिषेक एवं शांति धारा के पुण्याजक ललित कुमार जैन, देवेंद्र कुमार जैन, सम्यक जैन, पुलकित जैन सपरिवार रहे। श्री भक्तांबर विधान शास्त्री ललित जैन, दिशू जैन मिढ़ाकुर द्वारा प्रातः 8:00 बजे प्रारंभ किया गया। भक्तांबर विधान के मारणा पर मंगल कलश स्थापना श्रीमती कोमल जैन पत्नी पारस जैन को मिला, कलश स्थापना करने का सौभाग्य श्रीमती पूनम जैन पत्नी विजय जैन (बंटू) श्रीमती सुरभि जैन पत्नी अंकित जैन, श्रीमती अर्चना जैन पत्नी विनोद जैन (गिन्नो), श्रीमती मिथिलेश जैन पत्नी श्री सतीश जैन द्वारा कलश स्थापना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मारणा पर दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य पारस जैन अछनेरा बालों को प्राप्त हुआ। 48 दीपों द्वारा भक्तांबर विधान कराया गया। सभी को दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

ग्रामीण अंचल से पुष्पेंद्र जैन, देवेश जैन, विनांद जैन, निर्मल जैन, सौरभ जैन, दिशू जैन, मनकेश जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती मधु जैन इत्यादि मिढ़ाकुर से पधारे। अछनेरा से सभी महिलाओं एवं पुरुषों की बहुत अच्छी भागीदारी रही। भक्तांबर विधान संगीतमय एवं पूर्ण भक्ति के साथ संपन्न हुआ। विधान के तत्पश्चात स्वल्पाहार की सुंदर व्यवस्था थी।

शाखा आगरा

दिनांक 7 जुलाई 2024 को अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा आगरा द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम मधुबन पार्क, कमला नगर, आगरा पर आयोजित किया गया। जिसमें उपस्थित सभी लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगाए गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री रविंद्र जैन, मंत्री श्री प्रमेन्द्र जैन, पूर्व शाखा अध्यक्ष श्री शिवकुमार जैन, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री अनिल जैन बजाज, संयुक्त मंत्री श्री अरुण जैन, श्री निर्मल जैन, श्री विशाल जैन, श्री संदीप जैन, श्री मनीष जैन, श्री सुरेंद्र जैन, श्री भूषण जैन, श्री मनोज जैन, श्री विशाल जैन, श्री अर्पित जैन आदि उपस्थित थे।

शाखा आगरा महिला मण्डल

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा आगरा के महिला मण्डल के चुनाव में निम्न पदाधिकारी निर्वाचित हुईं। निर्वाचन अधिकारी श्री राहुल जैन (एडवोकेट) थे।

अध्यक्ष- श्रीमती सचि जैन पत्नी श्री सुनील जैन (ठेकेदार) सेक्टर-7, ***मंत्री***- श्रीमती दीप्ति जैन पत्नी स्व. श्री दीपक जैन दयालबाग, ***कोषाध्यक्ष***- श्रीमती अरुणा जैन पत्नी श्री दीपक जैन (कमला नगर)।

शाखा मुम्बई

दिनांक 21 जुलाई को अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश जैन के मुंबई आगमन के अवसर पर मुंबई शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शाखा संबंधित बहुत ही सार्थक चर्चा हुई। सर्वप्रथम सभी ने अपना परिचय दिया तदुपरांत श्रीमती सुनीता मृगेंद्र जी जैन द्वारा एक गीत प्रस्तुत किया गया। श्री सतीश जी, श्री संतोष जी, श्री पंकज जी के साथ और भी सदस्यों ने अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय महामंत्री के विचारानुसार सर्वसम्मति से इस बार का क्षमावाणी कार्यक्रम शाखा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती उत्सव के रुप में मनाने का निर्णय किया गया, साथ ही पल्लीवाल क्षेत्र से कोई भी जो मुंबई आते हैं, उनकी सहायता के लिए हेल्पलाइन बनाने का निर्णय लिया गया, जिससे क्षेत्र से आने वालों की हर संभव सहायता हो सके। सभी उपस्थित सदस्यों नें अमृत वर्ष महोत्सव में आयोजित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर काम करने की इच्छा प्रदर्शित की और मुंबई शाखा को प्रथम पुरस्कार मिले ऐसा काम करने का तय किया।

अंत में शाखा मंत्री श्री नत्थी लाल जी जैन ने सभी को भोजन के लिए आमंत्रित किया एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मृगेंद्र जी जैन ने सभी का आभार प्रकट किया।

शाखा समाचार

शाखा फिरोजाबाद

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा फिरोजाबाद ने अमृत वर्ष 2024 के अन्तर्गत एक 'जैन घोष (बैण्ड)' बनाया है, आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी मुनिराज ससंघ के मंगल प्रवेश पर जैन घोष निकाला गया, वह बहुत ही आकर्षण का केन्द्र बना।

14.07.2024 को अष्टानिका महापर्व के पहले दिन अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मंडल द्वारा देवी पद्मावती माता का भव्य श्रृंगार करवाया गया। इसमें मंडल की सदस्यों ने बढ़-चढ कर भाग लिया। सबने मिलकर माता पद्मावती का भव्यता पूर्वक श्रृंगार और भजन करे। अध्यक्ष पायल जैन, मंत्री नीना जैन, उपाध्यक्ष ऋतु जैन और कोषाध्यक्ष अनिता जैन का विशेष सहयोग रहा। बिना मंडल से राशि लिए माता का शृंगार करवाया गया। सभी महिला मंडल की सदस्य ढोल ताशे के साथ सुपार्श्वनाथ जिन मन्दिर घेरखोखल गयी। वहाँ माता के फूल माल और मेवा की माला से भव्यता पूर्वक श्रृंगार और भजन हुए।

महिला मण्डल द्वारा श्रुत पंचमी के शुभ अवसर पर जिनवाणी की पूजा की एवं विश्व पर्यावरण दिवस 14 जून 2024 के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण का सुन्दर कार्य भी सम्पन्न किया।

शाखा ग्वालियर महिला मण्डल

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मंडल (प्रज्ञामती) शाखा ग्वालियर प्रतिमाह एक सेवा कार्य का बेडा उठाया है। इस श्रृंखला में इस माह 17 जुलाई 2024 को माधव अंध आश्रम में बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। इसमें पेटीज, केला, लीची का जूस, बिस्किट का पैकेट एवं मिठाई वितरित की गई।

इस पुनीत कार्य में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है- श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती सुनीता जैन (मामा का बाजार), श्रीमती रचना जैन, श्रीमती मुन्नी जैन (सहसराम), श्रीमती रेणु जैन, श्रीमती सुनीता जैन (हनुमान नगर), श्रीमती लक्ष्मी जैन (भाऊ का बाजार), श्रीमती शोभना जैन, श्रीमती अनूप जैन, श्रीमती विमलेश जैन (नई सड़क), श्रीमती कृष्णा जैन श्रीमती बीना जैन, श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती मीरा जैन, श्रीमती विमलेश जैन (हनुमान नगर), श्रीमती डॉ. मीरा जैन अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जैन (एडवोकेट) उपस्थित रहीं।

****

अखिल भारतीय पल्लीवाल महिला मंडल (प्रज्ञामती) शाखा ग्वालियर के द्वारा 10 जून 2024 को अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जैन (एडवोकेट) के हमसफर श्री श्याम प्रकाश जैन (एडवोकेट) के जन्म दिवस के उपलक्ष में नारायण वृद्ध आश्रम में भोजन वितरित किया। इसमें इडली सांभर, बिस्किट, जूस वितरित किया गया एवं बुजुर्गों का आशीर्वाद ले जन्मदिन मनाया गया। इसमें श्रीमती विमलेश जैन (हनुमान नगर), श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती मीरा जैन, श्रीमती रचना जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन (भाऊ का बाजार), श्रीमती सुनीता जैन (हनुमान नगर), श्रीमती शोभना जैन उपस्थित रहीं।

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

पंचम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 25.07.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्म परायणता को हम सभी
शत्-शत् नमन करते हुए आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

बाबूलाल जैन *(नौगांवा)*
(पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
योगेश जैन-रश्मि जैन
ज्ञानेश जैन-गीता जैन

पौत्र, पौत्री :
शुभम, संभव,
विशुता, तान्या

पौत्री-पौत्री दामाद :
अक्षिता जैन-मुकुल जैन

पुत्री-दामाद :
ममता जैन-स्व. श्री अनिल जैन
कल्पना जैन-श्री राजेश जैन

नवासा, नवासी :
गौरव,
अंकित-पल्लवी,
आयुष,
रिया-सौरभ

प्रतिष्ठान

★ मै. अरिहन्त पैकेजिंग
महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली, फोन : 25052070

निवास : RZ-7A/2, गली नं. 3, पूरन नगर, पालम गांव, नई दिल्ली-110077
फोन : 011-25367174, मो. 9968002564
ई-602, प्लाट नं. 13, शुभम अपार्टमेंट, सेक्टर 22, नई दिल्ली-110075, मो.: 9868906690

15वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती सन्तरा देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 9 जुलाई 2009)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता को हम सभी शत्-शत् नमन करते हुए आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

त्रिलोक चन्द जैन
(पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
महावीर प्रसाद-राजेश्वरी
डॉ. पदम चन्द-बीना
रघुवर दयाल-मीना

पौत्र-पौत्रवधु :
डॉ. मोहित-डॉ. रूचिका
इंजि. रोहित-रूचि
डॉ. दीपक-डॉ. अभिलाषा
अमित

प्रपौत्री, प्रपौत्र :
ईशी, मिशी, पर्व,
गर्व, अवियान

पुत्री-दामाद :
उर्मिला-प्रो. सतीश जी
सोमा-गिरीश जी
नीलम-सुरेन्द्र जी
चन्द्रकान्ता-सुनील जी

पौत्री-पौत्री दामाद :
डॉ. दिव्या-डॉ. अचिन जी
इंजि. सोनू-इंजि. विशांक जी
इंजि. अन्नू-इंजि. सचिन जी

निवास : चौपड़ बाजार, रामगढ़, अलवर (राज.)
46-अ, आर्य नगर, अलवर (राज.)
फोन : 8233872404, 9828727566

S. R. ENTERPRISES

TRANSASIA

Roche

TOSOH

BIOMÉRIEUX

Ortho-Clinical Diagnostics

a Johnson & Johnson company

Abbott

BIO-RAD

SD BIOSENSOR,INC.

Stago

Diagnostics is in our blood.

B-18&19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Tonk Road, Jaipur-302018 (Rajasthan)

(M) +91-9829012628, +91-9414076265 E-mail : srindiaentp@yahoo.com

शाखा अजमेर

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा अजमेर ने अमृत महोत्सव-2024 में नवम् कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी चिकित्सकों को सम्मान देने के उद्देश्य से, जिन्होंने कोरोना काल में अपनी जान की परवाह न करते हुए भगवान के रूप में अपनी सेवाएं दीं, राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मना कर सार्थक निर्णय किया।

अजमेर शाखा ने इस कार्यक्रम को बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम को 30 जून को मनाया जाना था, लेकिन उस दिन संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दीक्षा दिवस था। इस दिन हमारे जैसवाल जैन युवा संगठन एवं पल्लीवाल नवयुवक मंडल ने नाका मदार पैट्रोल पम्प पर प्रसादी वितरण कार्यक्रम रखा, इस कार्यक्रम में हमारे नवयुवकों के साथ-साथ अजमेर शाखा के सहमंत्री नाथूलाल जी जैन ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

1 जुलाई राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर अजमेर शाखा अध्यक्ष श्री भोजराज जी जैन, उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र जी जैन, अर्थमंत्री श्री छगन लाल जी जैन एवं पत्रिका प्रतिनिधि हेमंत जैन द्वारा शाखा के सभी चिकित्सकों का उनके कार्यस्थल पर जाकर माला, शॉल, दुपट्टा एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं मानवता के प्रति उनके उत्कृष्ट समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस क्रम में समाज के वरिष्ठ चिकित्सक जनरल फिजिशियन श्री प्रदीप जी जैन (भारत हॉस्पिटल), फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. शुभांगी जैन (फैमिली फिजियो), नेत्र रोग विशेषज्ञ श्री प्रशांत जी जैन (भार्गव ऑप्टिकल एंड आई सॉल्यूशन) एवं चिकित्सा एवं मानवता के सबसे अहम ब्लड बैंक एवं संजीवनी रक्त क्रांति संस्था में अपनी निशुल्क सेवा देने वाली एवं रक्तदान शिविरों की ऑर्गनाइजर कुमारी पायल जैन का सम्मान किया गया।

हमारा दुर्भाग्य रहा कि व्यक्तिगत कारणों की वजह से नगर से बाहर गए वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. श्री महेन्द्र जी जैन, नवोदित चिकित्सक डॉ. अनुदीप जैन, डॉ. शुभ्रा जैन एवं विदेश यात्रा पर गयी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नीना जी जैन का सम्मान नहीं कर सके। भविष्य में वे जब भी मिलेंगे उनका सम्मान अवश्य करेंगे।

6 जुलाई को अजमेर शाखा द्वारा विजय राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ. माया कौशिक जी एवं उनकी टीम के सहयोग से तोपदड़ा स्थित रेलवे स्काउट परिसर में प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ प्राथमिक केन्द्र द्वारा दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस शिविर में जैन समाज के साथ जैनेत्तर समाज के लोगों ने भी लाभ प्राप्त किया। इस पूरे कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद श्री श्रवण कुमार जी का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही स्थानीय ब्रह्मकुमारी आश्रम की स्वर्णा दीदी एवं राखी दीदी का भी सहयोग प्राप्त हुआ। इस शिविर में शाखा अध्यक्ष श्री भोजराज जी जैन, उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र जी जैन, अर्थमंत्री श्री छगन लाल जी जैन, नवयुवक मंडल के सदस्य श्री तरुण जैन ने सभी लाभार्थियों का सहयोग किया एवं अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के समापन पर श्री भोजराज जी एवं पार्षद श्री श्रवण कुमार जी द्वारा डॉ. माया कौशिक एवं उनकी समस्त टीम का आभार व्यक्त किया एवं उनके अल्पाहार की व्यवस्था की।

7 जुलाई को पल्लीवाल समाज की होनहार बिटिया, ब्लड बैंक की सदस्या एवं संजीवनी रक्त क्रांति संस्था की उत्कृष्ट कार्यकर्ता कुमारी पायल जैन के नेतृत्व में गंज स्थित गुरू नानक सराय परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शाखा अध्यक्ष श्री भोजराज जी, मंत्री श्री प्रदीप जी जैन, सदस्य श्री सुबोध जैन जी के साथ हमारे नवयुवक मंडल के सदस्यों एवं संस्कार नवयुवती मंडल की अध्यक्ष मीनू जैन एवं सदस्याओं ने भी अपना भरपूर सहयोग एवं सेवाएं प्रदान कीं साथ ही हमारे नवयुवक मंडल के मंत्री श्री योगेश जैन, कोषाध्यक्ष श्री मोहित जैन, सदस्य श्री अभिषेक जैन एवं डॉ. शुभांगी जैन ने भी उत्साह पूर्वक रक्तदान कर अपना मानवीय दायित्व निभाया। इस शिविर में सभी रक्तदाताओं को संजीवनी रक्त क्रांति की ओर से हैल्मेट भेंट किए गए। शिविर का समय प्रात: 9:00 बजे से दोपहर

3:00 बजे तक रखा गया था। भारी बारिश के व्यवधान की वजह से मात्र 87 यूनिट रक्तदान प्राप्त कर सके। सभी ने पायल जैन को शुभकामनाएं दीं एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस शिविर में हमारे समाज के कुछ और युवा रक्तदान करना चाहते थे लेकिन बारिश के व्यवधान से कर ना सके। उनके इस उत्साह को देख पायल ने सांयकाल एक निजी ब्लड बैंक में इनके रक्तदान की व्यवस्था की। वहां हमारे नेत्ररोग विशेषज्ञ श्री प्रशांत जैन, श्रीमती मनीषा जैन श्री दीपक जैन एवं स्वयं पायल जैन ने रक्तदान कर अपना मानव धर्म निभाया। अजमेर शाखा मानवता को समर्पित ऐसे युवाओं को पाकर गौरवान्वित महसूस करती है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

अखिल भारतीय पल्लीवाल महासभा ने सभी शाखाओं से अपने यहां वृक्षारोपण करने का आव्हान किया है, जिससे कि प्रकृति में कुछ बदलाव आये।

अजमेर शाखा इस तरह के कार्यक्रमों में हमेशा अग्रणी रही है। विगत 2 जून को अपनी शाखा में सभी समाज बन्धुओं के सहयोग से वृक्षारोपण एवं परिंडे वितरण कार्यक्रम रखा था। उसके बाद से ही नवयुवक मंडल के सदस्यों ने एक विशेष कार्यक्रम चला रखा है। इसके अंतर्गत नवयुवक इन दिनों आने वाले फल आम और जामुन की गुठलियों को संग्रहित कर रहे हैं एवं उन्हें सुखाकर विभिन्न स्थानों पर लगा रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत यदि कोई भी सदस्य अपनी कार से बाहर जाता है तो वह अपने साथ कुछ गुठलियां अवश्य ले जाता है एवं उन्हें विभिन्न राजमार्गों पर रोपित कर आता है। हमारे नवयुवकों ने गुठली संग्रहण केन्द्र मंत्री श्री योगेश जैन के प्रतिष्ठान जैन ट्रेडर्स पर बना रखा है।

वर्षा ऋतु के शुरू होते ही अजमेर शाखा ने विभिन्न कार्य दिवसों पर विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्य जारी रखा हुआ है। अजमेर शाखा अध्यक्ष श्री भोजराज जी जैन, मंत्री श्री प्रदीप जी जैन, नवयुवक मंडल अध्यक्ष श्री संजय जैन के नेतृत्व में समस्त टीम ने दादा बाड़ी जैन मंदिर के उद्यान में 101 वृक्ष लगाकर वहां विराजमान साध्वी मनोहर श्री जी एवं उनके संघ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसी क्रम में नवकार महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश जी जैन एवं मंत्री श्रीमती सुधा जैन के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी टीम ने ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली में 151 पौधे लगाकर वृक्षारोपण कार्य किया, इस कार्य में नवकार महिला मंडल की सभी सदस्याओं ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया एवं तीर्थ क्षेत्र की यात्रा का लाभ भी प्राप्त किया। श्रीमती मीनू जैन के नेतृत्व में उनकी संस्कार नवयुवती मंडल की सदस्याओं ने बड़गांव स्थित बाल प्रकाश आश्रम में 101 पौधे लगाकर वृक्षारोपण कार्य किया। संस्कार मंडल की सदस्याओं ने आश्रम के प्रत्येक बच्चे के नाम से पौधों का भी नामकरण किया एवं आश्रम के बच्चों को हमारे जीवन में वृक्षों का महत्व भी समझाया। अजमेर शाखा के वृक्षारोपण कार्यक्रम में सबसे महत्वपूर्ण कार्य समाज गौरव श्री विजय जी जैन द्वारा किया गया। श्री विजय जी एवं समाज के युवा उद्यमी कुणाल जैन के नेतृत्व में अजमेर सकल जैन समाज के सदस्यों वाली टीम ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से संचालित बड़ल्या चौराहे पर स्थित हथकरघा केन्द्र पर वृक्षारोपण कार्य किया। श्री विजय जी के नेतृत्व में यहां पर लगभग दो सौ फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस क्रम में सभी ने आचार्य विद्यासागर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर उनकी स्तुति की एवं विश्व शांति की प्रार्थना की। ज्ञातव्य हो कि अजमेर में हथकरघा केन्द्र की स्थापना करने में श्री विजय जी जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, आचार्य भगवंत विद्यासागर जी महाराज ने हथकरघा के लिए सर्वप्रथम आशीर्वाद इन्हें ही दिया था।

इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में विभिन्न चरणों में अजमेर शाखा द्वारा अपने नवयुवक मंडल एवं संस्कार महिला मंडल के सहयोग से अब तक लगभग 1800 पौधों का वितरण भी किया जा चुका है। अजमेर शाखा का लक्ष्य इस वर्ष 3100 पौधे वितरण का है।

भक्ति मार्ग की ओर बढ़ने वाले साधक को, कामिनी, कंचन और कीर्ति के स्वरूप पद, प्रतिष्ठा, पैसा, पत्र, परिवार आदि जो यावत् प्रेम पदार्थ हैं, उनका परित्याग करके तब इस पथ की ओर अग्रसर होना चाहिए।

शाखा अलवर

दिनांक 14.7.2024 को शाखा अलवर की ओर से वृक्षारोपण का कार्यक्रम बड़ी ही धूमधाम से आयोजित किया गया। जिसके तहत कुछ पौधे महासभा भवन में भी लगाए गए एवं बाकी के पौधों को उपस्थित सदस्यों द्वारा अपने घरों में तथा आस-पास पार्क आदि जगहों पर लगाने हेतु अपने साथ ले गए। सौ से अधिक पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्री सुरेश जी प्रिसिपल साहब, अजीत जी पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं सुरेंद्र जी सिविल लाइन वालों ने अपने अपने विचार रखे और इस तरह के कार्यों की भूरी-भूरी प्रसंशा की। अंत में बिजेंद्र जी अध्यक्ष द्वारा सबका आभार व्यक्त किया गया।

****

शाखा अलवर के तत्वाधान में गत एक माह से जीव दया एवं मानव सेवा के विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। जीव दया कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में दिनांक 30 जून 2024 को प्रात: सरस डेयरी के पास राजकीय पशु चिकित्सालय में स्थित गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया गया। तत्पश्चात बुधविहार में नगर निगम अलवर द्वारा संचालित कांजी हाउस में गायों को, कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों द्वारा हरा चारा खिलाया गया।

कार्यक्रम में सर्वश्री बिजेंद्र कुमार जैन अध्यक्ष, सुमत चन्द जैन एवं विजय कुमार जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अशोक कुमार जैन कोषाध्यक्ष, कुलदीप जैन उपाध्यक्ष, राजेन्द्र प्रसाद जैन अध्यक्ष श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, अजीत कुमार जैन पूर्व केंद्रीय कोषाध्यक्ष पल्लीवाल जैन महासभा, प्रदीप जैन अंबिया भवन संयोजक, अभिषेक जैन सह विवाह संयोजक, मनोज जैन काला कुआं भंडारी, नरेंद्र जैन विधि मंत्री, बाबु लाल जैन काला कुआं, चंचल जैन, सतीश जैन संयोजक जीव दया कार्यक्रम, भारत भूषण जैन, अजीत जैन बडेर, आशीष जैन बडेर, योगेश जैन, पुनीत जैन, मनीष जैन, विकास जैन, शुभम जैन एवं अनेक महानुभावों की सहभागिता रही।

इस दौरान श्री अशोक कुमार जैन कोषाध्यक्ष ने जीव दया के लिए किये जा रहे कार्यक्रमों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और विश्वास दिलाया कि आगामी सभी कार्यक्रमों में उनका तन, मन और धन से पूर्ण सहयोग रहेगा। शाखा के बैनर तले कार्यक्रम होते रहने चाहिए जिससे अलवर शाखा का नाम सम्पूर्ण भारत में रोशन होता रहे। कोषाध्यक्ष महोदय के रचनात्मक विचारों का सभी महानुभावों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

श्री नरेंद्र कुमार जैन विधि मंत्री द्वारा अल्पाहार की सुन्दर व्यवस्था की गई, जिसकी सभी महानुभावों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। अंत में श्री बिजेंद्र कुमार जैन अध्यक्ष द्वारा, कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद किया गया।

****

शाखा अलवर के बैनर तले 22 जून को सायं 7 बजे वराई माता गणेश गुवाडी, बुधविहार डी-ब्लॉक में नि:शुल्क जल का वितरण किया गया। सभी लोगों ने जैन समाज के इस कार्य की बहुत-बहुत प्रंशसा की और कहा कि जैन समाज ही है जो दूसरों की सेवा करता है, 'जियो और जीने दो' पर खरा उतरता है। नि:शुल्क जल सेवा के सहयोगकर्ता- श्री शीतल प्रसाद जैन अभिषेक जैन बी-बलॉक बुधविहार थे।

श्री बिजेन्द्र जैन अध्यक्ष,नरेन्द्र कुमार जैन हसन का मेवात नगर मंत्री,श्री सतीश जैन RSEB, हसन खां मेवात नगर अलवर उपस्थित रहे।

शाखा अजमेर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा अजमेर द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध एवं ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। दोनों विषयों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं के साथ-साथ इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी ने सामूहिक रूप से आरती की। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष श्री विजय जैन को आमंत्रित किया गया, उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी एवं सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष श्री भोजराज जी जैन एवं मंत्री श्री प्रदीप जी जैन ने सभी को बधाइयां एवं धन्यवाद दिया।

शाखा कोटा

अमृत महोत्सव-2024 के अन्तर्गत कोटा शाखा द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस दि. 6.7.2024 को पल्लीवाल जैन भवन दादावाडी कोटा में मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में भगवान महावीर स्वामी के चित्र के सम्मुख डॉ. मनीष जैन के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन किया। शाखा मंत्री श्री प्रदीप कुमार जैन द्वारा चिकित्सक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला इसके पश्चात् कोटा शाखा के क्षेत्र में आने वाले निम्न चिकित्सा कर्मियों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर शाल उढाकर सम्मान किया गया :-

(1) डॉ. मनीष जैन, महावीर नगर-III कोटा, (2) डॉ. निशा जैन, महावीर नगर-III कोटा, (3) डॉ. मिली मैन, इन्जि. कॉलेज कोटा, (4) डॉ. दक्ष जैन, कुन्हाडी, कोटा, (5) श्री राकेश कुमार जैन, कोटा जं., (6) श्री कुलदीप जैन, रेल्वे हॉस्पीटल कोटा, (7) श्रीमती निर्मला जैन (सेवानिवृत) महावीर नगर-III कोटा, (8) श्री लविश जैन, कुन्हाडी कोटा, (9) कुमारी भारती जैन, दादाबाड़ी कोटा, (10) श्री तरुण जैन, एम.बी.एस. नगर, कोटा जं.।

शाखा अध्यक्ष द्वारा बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र मे सेवा करने वालों का काम बहुत ही महत्वपूर्ण है, चिकित्सक रोगी का ईलाज करके जीवन रक्षा का कार्य करता है। इसलिए चिकित्सक को भगवान का रूप माना जाता है। चिकित्सा सेवायें आवश्यक सेवा में माना जाता है। अंत में शाखा अध्यक्ष के द्वारा कार्यक्रम में पधारे एवं चिकित्सा सेवा से जुडे हुए कर्मी एवं अन्य महानुभावों का अभिन्दन करते हुए आभार व्यक्त किया एवं अल्पाहार कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। शाखा मंत्री श्री प्रदीप कुमार जैन द्वारा कुशल मंच संचालन किया।

श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा कोटा शाखा की प्रबन्ध कार्यकारणी के चुनाव दि. 14.7.2024 को श्री पल्लीवाल जैन भवन दादाबाड़ी कोटा में श्री अनिल कुमार जैन कोटा निर्वाचन अधिकारी एवं श्री महेन्द्र कुमार जैन केन्द्रीय प्रतिनिधि के नेतृत्व में निर्विरोध सम्पन्न हुए। निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्य निम्न प्रकार हैं-

अध्यक्ष- श्री पदम चन्द जैन, ***उपाध्यक्ष***- श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, ***मंत्री***- श्री अतुल कुमार जैन, ***सहमंत्री***- श्री शैलेश जैन, ***कोषाध्यक्ष***- श्री अक्षय कुमार जैन, ***भंडारी***- श्री राजेन्द्र कुमार जैन, ***कार्यकारणी सदस्य***- 1. श्री विनय कुमार जैन, 2. श्री सुभाष चन्द्र जैन, 3. श्री अशोक कुमार जैन, 4. श्री विजय कुमार जैन, 5. श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, 6. श्री बसंत कुमार जैन, 7. श्री राजीव कुमार जैन, 8. योगेश कुमार जैन, 9. श्री रिखव चन्द जैन, 10. श्री महावीर प्रसाद जैन।

कक्षा 10वीं एवं 12वीं के वर्ष 2024 में घोषित बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट अंक लाने वाले पल्लीवाल समाज के बच्चों को हार्दिक शुभकामनाऐं

सेजल जैन-X (CBSE) 92%
सुपुत्री श्रीमती भावना जैन एवं श्री आशीष जैन
40, दयानंद कॉलोनी, देव नगर, टोंक रोड, जयपुर

आर्यन जैन-XII (CBSE) 94.4%
सुपुत्र श्रीमती शालिनी जैन एवं श्री नीरज जैन
सी-12,सेकण्ड फ्लोर, अशोका एन्क्लेव, फरीदाबाद

प्रणव जैन - X (CBSE) 96.2%
सुपुत्र श्रीमती भारती जैन एवं श्री अजीत जैन
बरगमा

प्रथम जैन - XII (Comm.) 90.2%
म.नं. 93, सेक्टर 9, करकुंज रोड, सिकन्दरा, आगरा

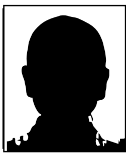

तनिष्का जैन-X (RBSE) 93.3%
सुपुत्री श्रीमती सीमा जैन एवं श्री राजेन्द्र कुमार जैन
हिण्डौन (करौली)

प्रियल जैन-X (CBSE) 90.2%
सुपुत्री श्रीमती अनिता जैन एवं श्री मनीष कुमार जैन
नदबई, भरतपुर

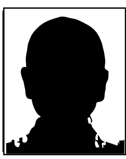

अरनव जैन - XII (CBSE) 94.8%
सुपुत्र श्री अंशु जैन
बी-218, हरी मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर

अदिती जैन - XII (ISCE) 93%
सुपुत्री श्री बी.के. जैन
फ्लैट नं. 504, अनंत विलास, अवधपुरी, आगरा

मनन जैन - X (CBSE) 82.8%
सुपुत्र श्रीमती सोनिया जैन एवं श्री विकास जैन
अलीगढ़

अभिषेक जैन - X (CBSE) 88.4%
सुपुत्र श्रीमती अर्चना जैन एवं श्री दीपक कुमार जैन
225/23, बाजा वाली गली, केसर गंज, अलवर

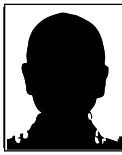

समृद्धि जैन - XII (RBSE) 88%
सुपुत्री श्रीमती मंचल जैन एवं श्री पारम कुमार जैन
नीमदा गेट, भरतपुर

शाखा समाचार

शाखा पालम

दिनांक 14.07.2024 (रविवार) श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (अतिशय क्षेत्र) पालम गांव में प्रात: नंदीश्वर विधान महिला मंडल द्वारा कराया गया । तत्पश्चात् प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक णमोकार महामंत्र की श्रृंखला में दूसरे चरण का 27वां णमोकार महामंत्र का जाप श्री बाबूलाल जैन, श्री योगेश जैन, ज्ञानेश जैन एवं समस्त परिवार पूर्ण नगर, पालम की ओर से अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, पालम शाखा के तत्वावधान में कराया गया । बड़ी संख्या में धर्म - प्रेमी/महानुभावों ने उपस्थित हो कर धर्म - लाभ का आनंद लिया । पालम शाखा में णमोकार महामंत्र का जाप हर माह दूसरे रविवार को नियमित रुप से कराया जाता है ।

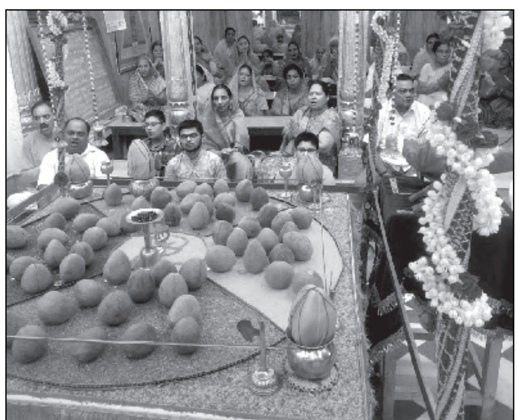

महासभा सदस्यता

1 Smt. Urmila Jain W/O Mukesh Jain, 315 - Aarya Nagar, Schme no. 1, Alwar (CR-8130)

2 Lalit Jain S/o Gulab Chand Jain, Ward no. 14 Kherli, Alwar (CR-8131)

3 Smt. Rajul Jain W/o Lalit Jain, Ward no. 14 Kherli, Alwar (CR-8132)

4 Sanjay Kumar Jain S/o Sumer Chand Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8133)

5 Rajesh Kumar Jain S/o Sumer Chand Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8134)

6 Smt Mala Jain W/o Manish Kumar Jain, Ward no. 11, Kherli, Alwar (CR-8135)

7 Smt. Pramila Jain W/o Vijay Kumar Jain, Ward no. 2, Kherli, Alwar (CR-8136)

8 Smt. Renu Jain W/o Rajesh Kumar Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8137)

9 Sanjay Kumar Jain S/o Babu Lal Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8138)

10 Smt Manju Jain W/o Dhram Chand Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8139)

11 Smt Karishma Jain W/o Santosh Kumar Jain, Ward no. 2, Kherli, Alwar (CR-8140)

12 SMt Baby Jain W/o Jagdish Jain, Ward no. 4, Kherli, Alwar (CR-8141)

13 Smt. Kalpana Jain W/o Anant Jain, Ward no. 4, Kherli, Alwar (CR-8142)

14 Smt. Geeta Jain W/o Babu Lal Jain, Ward no. 4, Kherli, Alwar (CR-8143)

15 Anant Kumar Jain S/o Babu Lal Jain, Ward no. 4, Kherli, Alwar (CR-8144)

16 Smt Kalpana Jain W/o Sanjay Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8145)

17 Jagdish Jain S/o Babu Lal Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8146)

18 Ajeet Kumar Jain S/o Chhagan Lal Jain, Ward no. 7, Kherli, Alwar (CR-8147)

19 Vikash Jain S/o Ajeet Kumar Jain, Ward no. 7, Kherli, Alwar (CR-8148)

20 Dhram Chand Jain S/o Mahaveer Prashad Jain, Ward no. 5, Kherli, Alwar (CR-8149)

21 Devendra Kumar Jain S/o Chhagan Lal Jain, Ward no. 2, Kherli, Alwar (CR-8150)

22 Smt. Mithlesh Jain W/o Devendra Kumar Jain, Ward no. 2, Kherli, Alwar (CR-8351)

23 Lokesh Kumar Jain S/o Mahendra Kumar Jain, Ward no. 2, Kherli, Alwar (CR-8352)

24 Basant Kumar Jain S/o Rangi Lal Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8353)

25 Janu Jain S/o Basant Kumar Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8354)

26 Manju Jain W/o Basant Kumar Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8355)

27 Robin Jain S/o Basant Kumar Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8356)

28 Subhani Jain W/o Robin Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8357)

29 Alisha Jain W/o Janu Jain, D-36A, Road No. 4, Phase 1, Shyam Vihar, Najafghar, New Delhi (CR-8358)

30 Khem Chand Jain S/o Shankar Lal Jain, Makan No.130, Rajendra Nagar, Bharatpur (CR-8361)

31 Manisha Jain W/o Khem Chand Jain, Makan No.130, Rajendra Nagar, Bharatpur (CR-8362)

32 Pushpendra Kumar Jain S/o Shikhar Chand Jain, Sinsini, Deeg, Bharatpur (CR-8363)

33 Jyoti Jain W/o Pushpendra Kumar Jain, Sinsini, Deeg, Bharatpur (CR-8364)

34 Hemant Kumar Jain S/o Shikhar Chand Jain, Sinsini, Deeg, Bharatpur (CR-8365)

35 Ritika Jain W/o Hemant Kumar Jain, Sinsini, Deeg, Bharatpur (CR-8366)

36 Dinesh Chand Jain S/o Swaroop Chand Jain, V.P.O. Pharsar, tehsil-Nadwai, Distt-Bharatpur(Raj.) (CR-8367)

37 Akash Kumar Jain S/o Pawan Kumar Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8368)

38 Pradeep Kumar Jain S/o Khanti Chand Jain, Near Jain Mandir, Hindaun Road, Mahwa (CR-8369)

39 Rajkumari Jain W/o Pradeep Kumar Jain, Near Jain Mandir, Hindaun Road, Mahwa (CR-8370)

40 Kamlesh Jain W/o Rakesh Kumar Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8371)

41 Yogesh Kumar Jain S/o Rakesh Kumar Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8372)

42 Pawan Kumar Jain S/o Rakesh Kumar Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8373)

43 Jyoti Jain W/o Pawan Kumar Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8374)

44 Neha Jain W/o Yogesh Jain, Near Shwetambar Mandir, Rajkaran School wali gali, mat Colony, Hindaun Road (CR-8375)

45 Mahaveer Prasad Jain S/o Late Shri. Hazari Lal Jain, 67, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8376)

46 Rajkumari Jain W/o Mahaveer Prasad Jain, 67, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8377)

47 Nitin Jain S/o Mahaveer Prasad Jain, 67, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8378)

48 Deepa Jain W/o Nitin Jain, 67, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8379)

49 Shubham Jain S/o Dinesh Chand Jain, Ward no.11, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8380)

50 Neha Jain W/o Shubham Jain, Ward no.11, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8381)

51 Dipesh Jain S/o Dinesh Chand Jain, Ward no.11, A.B. Road, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8382)

52 Megha Jain D/o Vimal Chand Jain, Ward no.3, Sheetla gali, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8383)

53 Kusum Jain W/o Vimal Chand Jain, Ward no.3, Sheetla gali, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8384)

54 Shashank Jain S/o Vimal Chand Jain, Ward no.3, Sheetla gali, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8385)

55 Dipali Jain W/o Shashank Jain, Ward no.3, Sheetla gali, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8386)

56 Himanshu Jain S/o Vimal Chand Jain, Ward no.3, Sheetla gali, Banmore, Morena(M.P.) (CR-8387)

****

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री कुन्ज बिहारी लाल जी जैन
(रेलवे टी.टी.)
(जन्मतिथि : 02.04.1931) (स्वर्गवास : 18.08.1988)

स्व. श्रीमती सावित्री देवी जी जैन
(जन्मतिथि : 01.01.1934) (स्वर्गवास : 21.07.2018)

आपका स्नेह, सेवाभाव, उच्च विचार, प्रेरणादायक जीवन व आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

श्रद्धावनत

अनिल जैन *(पुत्र)*
नरेन्द्र जैन-रश्मि जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
सुनील जैन-नीलम जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
तनमय जैन *(पौत्र)*

सुधीर जैन *(दामाद)*
वीरेन्द्र जैन-पुष्पलता जैन *(दामाद-पुत्री)*

एवं समस्त परिवारजन

निवास : हायर सैकण्डरी स्कूल रोड, गंगापुर सिटी ॥ जी-4, मगलायतन, जैन मन्दिर के पास, कोटा जंक्शन कोटा
मोबाइल : 8949654191

(CR D-3212)

हमारे प्रेरणा स्त्रोत एवं मार्गदर्शक परम पूज्य

स्व. दीवान श्री मदन लाल जी जैन एवं श्रीमती सरला जैन

की पुण्य स्मृति पर हम सभी परिजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

स्व. दीवान श्री मदनलाल जी जैन
(10.07.2002)

स्व. श्रीमती सरला जी जैन
(19.08.1996)

पुत्र-पुत्रवधु :

महेन्द्र कुमार जैन-लता जैन,
(भूतपूर्व संगठन मंत्री, महासभा)
बसंत कुमार जैन-हिमानी जैन,
मुकेश कुमार जैन-निशा जैन,

मनीष कुमार जैन - अम्बिका जैन,
(महाप्रबंधक जेके लक्ष्मी सीमेन्ट, सिरोही) (पूर्व अध्यक्ष महिला मंडल जयपुर)
ई. नीरज कुमार जैन-ई. रानू जैन *(यू.के.)*

पौत्र-पौत्रवधु :
ई. सागर-ई. आकर्षी
ई. शुभम-ई. प्रतिचि

पौत्री-दामाद :
ई. शारूल-ई. अपूर्व *(यू.एस.ए.)*

पौत्र, पौत्री :
ई. सिद्धार्थ, ई. क्षितिज, डॉ. यशोवर्धन, मीमांशा, प्रीशा, अरहन एवं अनुप्रेषा
देवम् ***(प्रपौत्र)***, नव्यांश ***(पड़ दोहिता)***

निवास :
ए-12, श्री सुंदर सिंह भंडारी नगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर
39, रेलवे हाऊसिंग सोसायटी, माला रोड, कोटा
सी-66, बसंत विहार कॉलोनी, इंदौर
बी. आर.के. पुरम, कोटा (राज.)
मोबाईल : 9413345939, 9785455587

(CR D-3211)

हमारा अपना एक घर हो सबका अपना

प्लॉट एवं विला उपलब्ध

navkar वाटिका कुबेर

अपनी जमीन अपनी छत

1 एवं 2.5 बीएचके घर, किफायती दर पर

RERA REGISTRATION NO.: RAJ/P/2019/961

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के प्रावधानों के अन्तर्गत

खेरली की प्रथम गवर्नमेंट अप्रूव्ड आवासीय योजना

NP

विकासकर्ता :

नवकार प्राईम डेवलपर्स प्रा. लि.

नवकार वाटिका, पेपर मिल, खेरली, जिला-अलवर (राज.)

Follow us on:

navkar.vatika

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें **+91 7891126673, +91 9414515121**

पवन जैन (चौधरी)

पार्षद, नगर पालिका खेरली

मो. : 9414020800

प्रतिष्ठान :

- अमित चन्द्रा टेक्सटाइल प्रा. लि., अलवर
- नवकार प्राइम डवलपर प्रा. लि., अलवर
- नवकार साड़ीज, अलवर
- नवकार वाटिका, खेरली
- नवकार ट्रेडिंग कम्पनी, अलवर
- शिखा टेक्सटाइल एजेंसी, अलवर
- अलवर सॉल्वेक्स, *MIA*, अलवर
- मै. पवन कुमार जैन, *MIA*, अलवर

निवास स्थान :- 1/544 काला कुआं, हाउसिंग बोर्ड, अलवर

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री दिनेश चन्द जी जैन
(स्वर्गवास : 07.08.2014)

स्व. श्रीमती कमलेश जी जैन
(स्वर्गवास : 29.06.2019)

हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धांजलि

पुत्र-पुत्रवधु :
प्रशान्त जैन-पिंकी जैन
शेलेष जैन-साधना जैन
पौत्र-पौत्री :
रूचिर जैन, भव्य जैन
शुभांगी जैन व आद्या जैन

बहन-बहनोई :
नवीन चन्द जैन (जयपुर)
शकुन्तला जैन-विनोद कुमार जैन (दिल्ली)
सपना जैन-शैलेन्द्र कुमार जैन (दिल्ली)

'रामा' 40, रेलवे गृह निर्माण समिति, माला रोड, कोटा जंक्शन, कोटा
मो.: 9667319794, 9929818100, 9414242314

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री भागचन्द जी जैन

(झारेड़ा वाले)

(स्वर्गारोहण : 27-07-2021)

आपका प्यार, स्नेह, आशीर्वाद हमेशा हम पर बना रहे,
आप हमेशा हमारी यादों में रहोगे।
हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से
श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धांजलि

माता-पिता :
स्व. श्रीमती किरण देवी-स्व. श्री रतनलाल जी

भाई-भाई वधु :
श्री महावीर प्रसाद जी-सुमन लता

भतीजे-भतीजे वधु :
राजा बाबू-निशा
रिंकू-रोशनी
संजय-मोना

बहन-बहनोई :
शीला-अनूप चन्द जी

भतीजी-भतीजी दामाद :
राजकुमारी-विजय जी
शालू-कमलेश जी

पोता, पोती :
डॉयल, दमन, गार्विक, प्रभव, ख्यांश

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती अतरी देवी जी जैन

(धर्मपत्नी स्व. श्री गोपाल जी जैन)

(स्वर्गारोहण : 06-07-2021)

आपका सद्व्यवहार, भक्ति मय जीवन, दयालुता, प्रेम, आदर्श
एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
आप सदैव हमारे साथ, हमारी यादों में रहोगी।
हम सभी अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धांजलि

भाई-भाभी :
श्रीलालाराम जी-स्व. श्रीमती बुद्धो देवी
श्री हुकमचन्द जी-स्व. श्रीमती विमला देवी

पुत्री-दामाद :
शीला देवी-श्री मंगलचन्द जी
सुमन लता-श्री महावीर प्रसाद जी

पौत्र-पौत्रवधु :
राजेश-पूनम
राजा बाबू-निशा
रिंकू-रोशनी
नरेश-हेमा
संजय-मोना

भतीजे-भतीजे वधु :
नवीन जी-इंदिरा, भागचन्द जी-कमलेश
जगदीश जी-स्नेह, झम्मन जी-सरोज
शिखर जी-संतरा, उत्तम जी-रेखा
कैलाश जी-लक्ष्मी

पौत्री-पौत्री दामाद :
संजू-कमलेश जी
मंजू-संतोष जी
अंजू-नीरज जी
राजकुमारी-विजय जी
शालू-कमलेश जी

महावीर प्रसाद, राजा बाबू जैन - 11 ए, किरण विहार विस्तार, त्रिवेणी नगर, जयपुर, मो.: 8000168367, 9784300593, 8094576036, 8559907130

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन
(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)
(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन
(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)
(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **Paridhi Jain** D/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 04.04.1996 (at 2:40 PM, Kota), Education- M.Phil., Clinical Psychology & Pursuing PhD. in Psychology (2020-24) from Manipal University, Jaipur. Working as a Clinical Psychologist & Assistant Professor at Apex University, Jaipur, Gotra : Self- Dhati, Mama- Khair, Contact : 50/38, Rajat Path Mansarovar Jaipur, Mob.: 9079829868, 9887379710 (WhatsApp) *(April)*

★ **Rashi Jain** (Divorcee) D/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 07.12.1994 (at 09:16 am, Alwar), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- M.Com. (A.B.S.T), Job- Working as 3D Rendering Artist (Jewellery) in Jaipur, Preference-Jaipur, Gurugram, Delhi, Noida, Agra, Meruth, Gotra : Self- Januthuriya, Mama-Sagarwasiya, Contact : 9414367288 *(April)*

★ **Ekta Jain** (Divorcee, No Child) D/O Sh. Satish Kumar Jain, DoB 09.12.1992 (at 00.30 AM Hrs., Gandhidham, Kutch Gujarat), Height- 5Ft., Education- B.Sc., M.Sc., B.Ed. (Maths & Science), CTET Clear, Preparing for Govt. Job, Overall Two Years Teaching Experience, One Year in Central School, Phulera (Raj.) on Contract Basis, Gotra : Self- Sarang, Mama-Janutharia, Contact : 27/A, Sohan Nagar, Nandkishore Pura, Manaywas, Near A.R. Paradise, Mansarover, Jaipur-302020, Mob.: 9909720580, 9602872103 *(April)*

★ **Khushboo Jain** D/o Sh. Nalin Kumar Jain, DoB 21.01.1996 (at 12:07 pm, Jaipur), Height- 5'-3", Education- B.Tech. (CS) Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Maimuda, Contact : 425, Devi Nagar, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019, Mob.: 9460765484, 797669121, 9460434712 *(April)*

★ **Apurva Jain** D/o Sh. Prabha Chand Jain, DoB 31.03.1998 (at 9:10 am, Agra), Fair Complexion, Height- 5'-6", Education- B.Tech (Computer Science), Occupation- Works as Creative Content Writer and SMO Executive at VerveLogic LLP, Jaipur, Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Athvarshiya, Contact : 103, L.N. Nagar-C, Behind Murliwala's Garden, Gandhi Path (West), Vaishali Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 7791818738, 7619702448 *(April)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 10.08.1993 (at 5:20 am, Morar Gwalior), Height- 5'-3", Fair Color & Smart, Education- M.Com., B.Ed., CPCT, PGDCA (Computer Diploma), Gotra : Self- Chombra, Mama- Slawdiya, Contact : D-3, Hari Om Colony, 7 No. Chauraha, Morar, Gwalior (M.P.), Mob.: 8109962448, 8962208384 *(May)*

★ **Prachi Jain** (Widow) D/o Sh. D.K. Jain, DoB 24.09.1995 (at 11:59 am, Aligarh), Height- 5'-2", Fair Complex, Education- B.Sc. PCM, Optometrist Diploma, Gotra : Self- Agraiya, Mama- Gandharv, Contact : 37, Bankey Bihari Enclave, Agra Road, Aligarh, Mob.: 8433035166 *(May)*

★ **Silky Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 16.9.1997 (at 1:59 pm, Alwar), Height- 5'-1", Education- B.Tech, Presently Preparing for Competitive Exams, Gotra : Self- Lohkirodiya, Mama- Salawadia, Contact : 126, Scheme No. 4, Alwar (Raj.), Mob.: 8949058577, 9413436435 *(June)*

★ **Nandita Jain** D/o Nalin Kotia, DoB 20.08.1999 (at 11:15 AM, Jaipur), Height- 5'-1", Education- B.Com, Delhi University 2020, M.B.A., Banasthali Vidyapith 2022, Job- Deputy Branch Manager, ICICI Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Maimuda, Contact : 9868415507, 7011879482 *(June)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 20.02.1997 (at 08:40 PM, Jaipur), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Sc. (Interior Designing) PGDM+MBA, Occupation- Manager in Palladian Partners Advisory LLP (Mumbai), Gotra : Self- Mastangdangiya Chaudhary, Mama- Rajoria, Contact : 6, Kailashpuri, Knata, Kalwar Road, Jhotwara, Jaipur-302012, Mob.:

9887231424 (Whats App), Email : jainsk1970@gmail.com *(June)*

- ★ **Nishtha Jain** (Manglik), D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 22.05.1997, Height- 5'-3", Education- B.Arch., Occupation- Architect (Self Practice), Gotra : Athvarsiya, Contact : 20, Jagdish Colony, Mahesh Nagar Extn., Tonk Pathak, Jaipur, Mob.: 9460723630, Email : nishthajain71@gmail.com *(June)*
- ★ **Swati Jain** (Divorcee) D/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 04.04.1991 (at 8:54 PM, Alwar), Height- 5'-2", Education- B.A., M.A., B.Ed., Contact : 8, Gupta Colony, Alwar, Mob.: 6350393714, 9739748225 *(June)*
- ★ **Vaishali Jain** D/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 05.03.1998 (at 1:10 PM, Jaipur), Height- 5'-1", Education- Chartered Accountant, Working at NAV Consulting, Jaipur, Gotra : Self- Dhati, Mama- Dhanduriya, Contact : Flat No. 305, DDCL Paradise, Near Iscon Temple, Mansarovar Extn., Jaipur, Mob.: 9929857815 *(June)*
- ★ **Shubhangi Jain** D/o Sh. Shailendra Kumar Jain, DoB 01.08.1995 (at 3:40 PM, Aligard), Height- 5'-2", Education- B.A. in Multimedia (vfx & animation), Occupation- Motion Designer, Gotra : Sattaria, Contact : Flat No. 603, Bldg No. 5, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (E), Thane-401107, Mob.: 9969017693, 9969019635 *(June)*
- ★ **Soniya Jain** (Divorcee) D/o Late Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 02.11.1990 (at 08:20 AM, Mandawar, Dausa), Height- 5'-3", Education- BPED, MA (Sanskrit, Political Science), Job- Raj. Govt. Physical Teacher (Alwar), Preference- Only Alwar City, Gotra : Self- Bahttariya, Mamaji- Digamber Jain, Contact : Smt . Sushama Jain, HB/137, Bajrang Vihar Colony, Mahwa, Dausa, Mob.: 9680539915, 8824995555 *(July)*
- ★ **Keshu Jain** D/o Sh. Ajit Jain, DoB 18.11.1997, Height- 4'-10", Education- B.Sc., B.Ed. Regional Institute of Education, Ajmer, M.Sc. S.S. Jain Subodh Autonomous PG College, Jaipur, Occupation- PGT Mathematics in Kendriya Vidyalaya (1st Grade), Gotra : Self- Pavatiya, Mama- Maimunda, Contact : Hindaun City, Distt. Karauli (Rajasthan), Mob.: 8094312524 *(July)*
- ★ **Kanishka Jain** (Manglik) D/o Sh. Lokesh Kumar Jain, DoB 26.05.2001 (at 10:55 pm, Agra), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- B.Com., MBA, HR Finance, Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Baderiya, Contact : 112, Muhana Mandi Road, Ganesh Nagar, Radha Kunj, Dholai, Jaipur, Mob.: 9660614200 *(July)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

- ★ **तरुण जैन** पुत्र श्री विनोद कुमार जैन, जन्मतिथि 07.09.1997 (सायं 9:28 बजे, हिंडोन सिटी), कद 5'-8'', शिक्षा- बी.टेक.(आईटी) from IIIT-Allahabad, जॉब- सॉफ्टवेयर इंजिनियर at Inshorts (NOIDA), आय- 52 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं- पावटीया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 42, अर्जुन नगर साउथ, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, मोबाइल : 9314844803 *(जून)*
- ★ **ऋषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि- 13.05.1995 (प्रात: 6:00 बजे), कद- 5'-5'', शिक्षा - बी.कॉम, पी.जी.डी.एम. फाइनेंस, जॉब- एरिया क्रेडिट मैनेजर लार्सन एंड टुब्रो फाइनेंस जोधपुर ब्रांच, आय- 12 लाख वार्षिक, गोत्र- स्वयं : जनूथरिया, मामा- चौरबम्बार, सम्पर्क : प्लाट नं. 9, भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, मो.: 9460312001, 9414866607 *(जून)*
- ★ **आशीष जैन** पुत्र श्री विनोद कुमार जैन, जन्मतिथि 14.09.1994, कद- 5'-8'', जॉब- सरकारी अध्यापक, राजस्थान सरकार (पोस्टिंग- अलवर), प्रशासनिक परीक्षा के लिए अध्ययनरत, गौत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- राजोरिया, सम्पर्क : 6-क-485,486, शिवाजी पार्क, अलवर, मो.: 9352202498, 9785783666 *(जुलाई)*
- ★ **पुलकित जैन** पुत्र श्री प्रमोद जैन, जन्मतिथि 23.12.1997 (सायं 7:30 बजे, बयाना), कद- 5'-11'', शिक्षा- एम.बी.ए. पोद्दार इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर, स्वयं का व्यापार- स्टोन मैनुफैक्चरिंग फैक्ट्री तीन यूनिट रीको बयाना, वार्षिक आय 50 लाख के लगभग, गोत्र : स्वयं- बारोलिया, मामा- चौराम्बार, सम्पर्क : भरतरी कॉलोनी, बस स्टैंड के पास, बयाना, मो.: 9413304436 *(जुलाई)*
- ★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Rajeev Jain, DoB 05.04.1998 (at 7:45 AM, Firozabad), Education- Chartered Accountant, B.Com(Hons.), Occupation- Himanshu R & Associates, Gotra : Barbasiya, Contact : 96, Jain Nagar Khera, Firozabad, U.P. , Mob.: 9897320664 *(May)*
- ★ **CA Arihant Jain** S/o Sh. Praveen Kumar Jain (Kanjoli Wale), DoB 04.06.1997 (at 12:25 PM, Jaipur), Height- 5'-9", Fair Complexion, Profession- Chartered Accountant, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Kashmeria, Contact : E-13, Ram Nagar Extn., Hawa Sadak, Sodala, Jaipur, Mob.: 93525687580 *(May)*
- ★ **Girish Jain** S/o Sh. Yashwant Kumar Jain, DoB 23.06.1997 (at 2:40 pm, Alwar), Occupation- SAP Consultant at Deloitte, Package- 16.1 LPA,

Gotra : Chorbambar, Contact : Triveni Nagar, Jaipur, Mob.: 9414280582 *(May)*

★ **Amit Jain** (Mangalik) S/o Sh. Ajay Jain, DoB 22.03.1995 (at 03.58 am, Delhi), Height- 5'-8", Education- B.Tech., Occupation- Software Engineer in Cognizant (Noida), Package 13.5 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Mehtiya, Contact : Mayur Vihar, Delhi, Mob.: 8368394410, Email : ajayjain1961@gmail.com *(May)*

★ **Vivek Jain** S/o Sh. Umesh Chand Jain (Kante wale), DoB 06.02.1998 (at 03:51 PM, Gwalior), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Tech. (MITS), MBA (DU), Occupation- Business (Manufacturing), Gotra : Self- Chorbumbar, Mama- Salavadia, Firm: Sh Kailash Chand Jain Kante Wale, N.R. Industries, Lohiya Bazar, Lakshar, Gwalior, Mob.: 9893016050, 9425735234 *(May)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Parasmal Jain, DoB 07.11.1996 (at 12.53 AM, Alwar), Height- 5'-6", Fair complexion, Education- B.Tech (CSE), Occupation- Software Engineer, Package- 24 LPA, Gotra : Self- Athwarsiya, Mama- Singarwasiya, Contact : 357, Shanti Kunj Colony, Alwar-301001, Mob.: 8432203386 *(May)*

★ **Prashant Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain Bajaj, DoB 07.12.1993 (at 4:20 pm, Agra), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (EC), Running Own Electrical Business (Jainsons Electrical) at Belanganj, Agra, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Rajeshwari, Contact : C-153, Subhash Nagar, Kamla Nagar, Agra-282005, Mob.: 9634074088, 9927463181, Email : aniljainbajaj@gmail.com *(May)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 15.03.1996 (at 10:30 AM, Karauli), Height- 5'-4", Fair Complexion, Education- M.Com., Self Business- Advertising Printing, Stationery, Government Suppliers, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Churbambar, Contact : Seth House, Sainath Khidkiya, Karauli, Mob.: 9414314988, 8000496245 *(May)*

★ **Sankalp Jain** S/o Sh. Naresh Chandra Jain, DoB 29.11.1995 (at 09:47 am, Khambhat Gujarat), Education- B.E. (Mech.), Occupation : Electro Mechanical Technician Canada, Ontario, Gotra : Self- Sarang, Mama- Thakuria, Contact : 27/A, Krishna Park, Chavdapura, Jitodiya Road, Anand-388001 (Gujarat), Mob.: 9427549521, 8200605454 *(May)*

★ **Akash Jain** S/o Nirmal Kumar Jain, DoB 21.12.1995 (at 7:45 pm, Hindaun City), Height- 5'-11", Education- MBA, International Business '2021, ITM Business School, Mumbai, B.Tech. Mechanical '2017 (K.I.T.E. Jaipur), Job- Business Analyst, Altudo Consultancy Pvt. Ltd., Package 8 LPA, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Khair, Contact : C-97, Mohan Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 6375519531 *(May)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 02.11.1992 (at 02:10PM, Mathura), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Tech. (Computer Science), Occupation- Working in Disprz Chennai (W.F.H.), Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Maimuda, Contact : 2/146, S.F., Radha City, Goverdhan Road, Mathura, Mob.: 9058485772 *(May)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 03.12.1996 (at 8:35 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Mech.) from PEC Chandigarh, Occupation- Product Manager 2 in o9 Solutions (Bangalore), Package- 22 LPA, Gotra : Self- Bahtariya, Mama- Bayania, Contact : 1F41, Mahaveer Nagar Extension, Kota, Mob.: 6350629209 *(June)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Gopal Jain, DOB 30.09.1992 (at 5:28pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech., M.Tech. (ME), Job- Central Govt. Accountant, Railway, Post GM Office Jaipur, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bhadkolia, Contact : Rajni Vihar, Ajmer Road, Jaipur, Mob.: 9460474389, 9413042927 *(June)*

★ **Shivin Jain** S/o Dr. Raj Kumar Jain, DoB 16.11.1991 (at 9:51 pm, Moradabad), Height- 5'-6", Education- B.Tech (Hons.) Civil Engg, Occupation- Real Estate Business, Pearl Group, Jaipur, Gotra : Self- Sangeswaria, Mama- Kotia, Contact : B-78/602, Pearl Passion, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur, Mob.: 9414054745, 9782255866 *(June)*

★ **CA Saurabh Jain** (Manglik) S/o Sh. Vijay Kumar Jain (Baragma Wala), DoB 30.10.1993 (at 6:30 PM, Jaipur), Height- 5'-6", Education- Chartered Accountant, B.Com, Job- Senior Manager, Credit Saison, Mumbai (Japanese MNC), Gotra : Self- Bhoradangiya, Mama- Bhetariya, Contact : P.No.38, Flat No. G1, ISD Residency 2, Dr. Rajendra Prasad Nagar, Jaipur, Mob: 9251565282, 8955322167 *(June)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Uttam Jain, DoB 26.02.95 (at 2:38 AM, Jaipur), Height- 5'-4", Education- B.Tech. (IIT-Delhi), Master of Science in Business Analytics (UCLA, USA), Occupation- Products Manager in INC-New York Metropolitan, Jersey City, USA, Gotra : Self- Kashmeria, Mama- Choudhary, Contact : Janakpuri-II, Imli Phatak, Jaipur, Mob.: 9414405532 *(June)*

★ **Shriyansh Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB

21.07.1994 (at 7:45 AM, Mathura), Height- 5'-9", Education- B.Com, MBA (Event Management), Occupation- Own Event Company, Gotra : Self- Chorbambaar, Mama- Janutharia, Contact : 8650090222, 9457806800 (WhatsApp), Email : akjsb26@gmail.com *(June)*

★ **Palak Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.11.1991 (at 2:35 PM), Height- 5'-7", Education- B.Com, MBA, Service- Process Analyst in Tata Consaltancy Service, Gurgaon, Package- 5 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : House No. 1724, Sector 7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(June)*

★ **Pawan Kumar Jain** S/o Sh. K.K. Jain, DoB 19.09.1994, Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, M.Com., Occupation- Deputy Manager in ICICI Bank Regional Office Jaipur, Gotra : Self- Daduriya, Mama- Nageshriya, Contact : Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9461588831, 9024272579 *(June)*

★ **Sushil Kumar Jain** S/o Sh. Rakesh Chand Jain, DoB 07.08.1993 (at 7:30 AM, Bharatpur), Height- 5'-7", Fair Colour, Education- B.C.A. (Bachelors in Computer Application) From Vel Tech University, Job- Senior Digital Sales Executive at Lifecell International Pvt. Ltd., Package- Rs. 32,000/- Monthly, Gotra : Self- Sengarvasiya, Mama- Gindoravakas, Contact : No 11 VRD Nagar, Madhavaram Chennai-600060, Mob.: 9444740012, 9381940867, 8778864201 *(June)*

★ **Ankur Jain** S/o Sh. Arun Jain, DoB 17.10.1996, Height- 5'-9", Education- M.Com, Chartered Accountant & Pursuing CFA L3, Working as Senior Associate at Price Waterhouse Cooper's, Gotra : Self- ChaudBambar, Mama- Sengarwasiya, Contact : 203, Paradise Regency, C-69, Sarojini Marg, C-Scheme, Jaipur, Mob.: 9694449235 *(June)*

★ **Sambhav Jain** S/o Sh. Vivek Jain, DoB 28.02.1997 (at Bharatpur), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Tech. from JECRC College, Jaipur, Profession- Software Engineer at Cognizant, Gurugram, Gotra : Self- Maimuda Mama- Badwasia, Package- 25 LPA, Contact : 34, Agrasen Nagar, Near Baba Sugreev Vidhyapeeth, Bharatpur-321001, Mob. : 9413916720, 8690320315 *(June)*

★ **Anurag Jain** S/o Sh. Mukesh Kumar Jain, DoB 07.05.1997 (at Jaipur), Fair Complexion, Height- 5'-11", Education- Bachelor of Technology, Working as Software Engineer, Aaseya Technologies Pvt. Ltd., Salary- 58 LPA, Gotra : Chaurbambar, Contact : Jain Petrol Pump Laxmangarh Alwar, Mob.: 9928010457, 9001096004 *(June)*

★ **Rajat Jain** S/o Late Sh. Veer Kumar Jain, DoB 12.12.1996 (at 6:25 PM, Jaipur), Height- 5'-11", Education- M.Tech (MNIT Jaipur), Occupation- Computer Instructor in Rajasthan Education Department (Govt. Employee), Gotra : Bhoch, Contact : Smt. Vijay Laxmi Jain, 1/569, Kala Kua, Alwar, Mob.: 7073482344 *(June)*

★ **Harshit Jain** S/o Sh. Kuldeep Jain, DoB 06.2.2001, Height- 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Investment Advisor, Income- 10 LPA, Gotra : Self- Dhati, Mama- Pavatiya, Contact : 4-CHA-14, Housing Board, Manu Marg, Alwar, Mob.: 9414017028, 7427817028 *(June)*

★ **Niket Jain** S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 07.08.1997 (at Kherli, Alwar), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- B.Sc., Diploma in Pharmacy, Occupation- Sales Person in Human Life Diagnostic, Income- 3 LPA, Gotra : Self- Athvarshiya, Mama- Phatepuriya, Contact : (1) Bazar Mohalla Village- Alipur, Dist. Bharatpur-321615, (2) 125, G2 Agrasen Nagar, Mahesh Nagar, Jaipur, Mob.: 8302345199 *(June)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Subhash Jain, DoB 25.06.1995 (at 4:20 AM, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Com., PGDM from RIIMS Pune, Occupation- ASM in Godfrey Phillips India Ltd., Jaipur, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Badwasia, Contact : Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9414073201 *(June)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Arvind Jain, DoB 27.02.1993 (at 2:45 PM, Ajmer), Height- 5'-9", Education- B.Tech., Job- SK Phoenix, Patiala (HOD Mathmatics), Income- 12 LPA, Gotra : Self- Mehatiya, Mama- Gangeriwal, Contact : 1st-A, UIT Colony, Opp. Chandra Stores, Pal Beechla, Ajmer, Ajmer, Mob.: 6376029451, 9414277046, 9829140122 *(June)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Roop Chand Jain, DoB 05.05.1993 (at 8:15 AM, Agra), Height- 5'-7", Education- MBA, Job- Senior Manager, Yes Bank Ltd., Gotra : Self- Kotiya, Mama- Khair, Contact : 5E/18, Ashok Vihar, Janta Quater, Kedar Nagar, Shahganj, Agra, Mob.: 9358685310, 8077581085 (WhatsApp) *(June)*

★ **Shivam Jain** S/o Sh. Paras Kumar Jain, DoB 27.02.1998 (at 5:07 PM, Gwalior), Height- 5'-5", Education- B.Com. (Hons.), MBA, Job- SBI Associates (Clerk), Gotra : Self- Mahela, Mama- Angras, Contact : 203, Vidhya Apartment, Khurje Wala Mohalla, Daulatganj, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9425724407, 6261579265 *(June)*

★ **Sankalp Jain** S/o Sh. Bhagchand Jain, DoB

10.12.1995 (at Bayana, Bharatpur), Height- 5'-11", Education- Master of Technology, IIT BHU Varanasi, B.Tech. (VIT Vellore), Occupation- Data Scientist in Hero Fincorp, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Bhahattaria, Contact : Anand Vihar Colony, Near Dr. Madhu Mittal, Bayana, Bharatpur *(June)*

★ **Sandeep Jain** S/o Late Sh. Om Prakash Jain, DoB 11.01.1975 (at 3:30 am), Fair Complexion, Business- Luggage Showroom in Indore, Income- 10-12 LPA, Gotra : Self- Divariya, Mama- Chandpuria, Contact : Anil Jain, Mob.: 9926063720 *(July)*

★ **Parag Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1995 (at 10:54 pm, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (CS), Working as a Assistant Manager in SBI, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Athwarsia, Contact : 27/169, Naruka Colony, Alwar, Mob.: 7014560816, Whatsapp : 9785564525, email: satishjain912@gmail.com *(July)*

★ **Nikhil Jain** S/o Sh. Mukesh Jain, DoB 11.07.1996 (at 1:45 pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- MBA (Operations) from NMIMS, B.Tech (EE), Poornima Institute of Engg. & Tech., Jaipur (2014-18), Employment- IT Professional (SAP Consultant), Deloitte USI, Income- 16 LPA, Gotra : Self- Rajouriya, Mama- Janothriya, Contact : A-100, Nityanand Nagar, Vaishali Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 9829067681 *(July)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Girish Jain, DoB 15.12.1995 (at Gangapurcity), Height- 5'-8", Education- B.E. (Mech.), Job- Principal Sales Consultant at Celebal Technologies in 42 LPA, Jaipur, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Nagesuriya, Contact : 6/338, SFS Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9314621214, 7976605861, Email : girishrekha 1994@gmail.com *(July)*

★ **Shreyans Jain** S/o Sh. Sanjeev Jain, DoB 16.07.1996 (at 09:21 pm, Gangapur City), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Civil Engineering) IIT Guwahati, Occupation- Assistant Engineer Rajasthan Vidyut Prasaran Nigam, Ramgarh, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : 80, Nasiya Colony, Gangapur City (Rajasthan), Mob.: 9783210206, 9460423866 *(July)*

★ **Amit Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 16.09.1996 (at 4:00 pm, Dausa), Height- 5'-6", Business- Hotel & Guest House (1. Arihant Palace, 2. Shree Guru Kripa Dham, 3. Mahaveer Jain Restaurant), Income- 18 LPA, Gotra : Self- Khair, Mama- Nangeshwaria, Contact : H.No. 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa (Rajasthan), Mob.: 9784761984, 8955011011, 9829428416, Email : jamit9731@gmail.com *(July)*

★ **Dr. Nishant Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 10.03.1991 (at 04:30 PM, Gwalior), Education- B.E. (Chemical Engineering), M.Tech, Ph.D from IIT Roorkee, Job- Doctoral Fellow at University of Malaya, Malaysia, Income- 10.5 LPA, Achievement- Two Academic Patents, Young Scientist Award (2023), Gotra : Self- Kotia, Mama- Maimuda, Contact : A/9, New Vivek Nagar, Behind Mela Ground, Thatipur, Gwalior, M.P (474011), Mob.: 9302999134, 9268731636, 9691980207 *(July)*

★ **Shubham Jain** S/o Late Sh. Rajesh Jain, DoB 13.07.1994 (at 1:40 am, Beawar), Height-5'-11", Education- MBA (Marketing & Finance), Occupation- Channel Relationship Manager (Unit Sale), Ultra Tech Cement (Aditya Birla Group), Barmer (Rajasthan), Package 11 LPA + 2.5 Lacs Incentives, Gotra : Self- Januthrya, Mama- Badwasye, Contact : Smt. Babita Jain, H.No. 6, New Agrasen Colony, Delwara Road, Beawar-305901, Mob.: 9529397529, 7976359003 *(July)*

★ **Piyush Jain** (Manglik) S/o Sh. Babu Lal Jain, DoB 14.03.1998 (at 7:35 am, Doomdooma, Assam), Height-5'-10", Education- B.Tech. (CSE) from SKIT Jaipur, Occupation- Software Engineer (IT) in Shephertz, Gurugram, Income- 12.15 LPA, Gotra : Self- Pawatiya, Mama- Gindorabakas, Contact : Heera Nagar Vistar, Heerapura Dhavas Road, Near Dhavas Puliya, Jaipur, Mob.: 9950639997, 8630866389 *(July)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Gyanesh Jain, DoB 05.10.1996 (at 6:05 am, New Delhi), Height- 5'-10", Education- B.Tech. from UPES Dehradun,M.Sc. in Big Data and Business Analytics from Paris-France, Occupation- Team Viewer Germany as Sales Operation Analyst, Gotra : Self- Nangeshvar, Mama- Barwasia, Contact : E-602, Shubham Appt., Sector 22, Dwarka, New Delhi-110075, Mob.: 9868906690, Whatsapp : 8851286377 *(July)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 13.07.1995 (at Hindaun City), Height- 5'-7", Education- B.Com., MBA, Job- Griner Soft Pvt. Ltd., Income- 4.5 LPA, Gotra : Rajoria, Contact : A-100, Nityanand Nagar, Queens Road, Jaipur, Mob.: 9782626506 *(July)*

* * * * * * *

बारहवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

स्व. श्रीमती माया देवी जी जैन

जन्मतिथि : 06.03.1949 *स्वर्गवास : 13.7.2012*

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री सुमेर चन्द जैन (पति)
(पूर्व पार्षद) कालवाडी वाले
मो. 9414711621

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद जैन-सुषमा जैन
राजेश जैन-रेनू जैन
संजय जैन
पौत्र :
तन्मय जैन, गर्भित जैन

जेठ-जिठानी :
स्व. राधेश्याम जैन-रामकली जैन
भतीजा-भतीजा बहू :
श्रीचन्द जैन-उषा जैन

पुत्री-दामाद :
रेखा जैन-राजेन्द्र जैन
सीमा जैन-भानुप्रकाश जैन
धेवते-धेवती :
राशिका, प्रिंस, अनुष्का, वंशिका, हितांश

प्रतिष्ठान :
आदिनाथ खाद बीज भण्डार, खेरली - 9214965126
आदिनाथ मैडिकल ऐजेन्सी, खेरली - 9252142897
विनोद कुमार संजय कुमार, खेरली- 9252225567

निवास
जैन कॉलोनी, खेरली (अलवर) राज.-321616

॥ श्री महावीराय नमः ॥

प्रथम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती प्रमिला जी जैन

(जन्म तिथि : 29.07.1959 - स्वर्गवास : 07.08.2023)

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं एवं अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

विनोद चन्द जैन (पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
जितेन्द्र कुमार जैन-अंकिता जैन
पारस जैन-श्रुति जैन

पौत्री :
वार्या जैन (हर्षिता जैन)

देवर-देवरानी :
प्रमोद चन्द जैन-मंजू जैन

पुत्री-दामाद :
कविता जैन-संजय जैन
रेखा जैन-राजेश जैन
प्रतिभा जैन-विश्वास कुमार जैन
निधि जैन-हर्ष अग्रवाल

निवास : 65/83, हीरा पथ, पानी की टंकी के पास, मानसरोवर, जयपुर-302020
मो.: 9461243319, 7300073319

(CR D-3215)

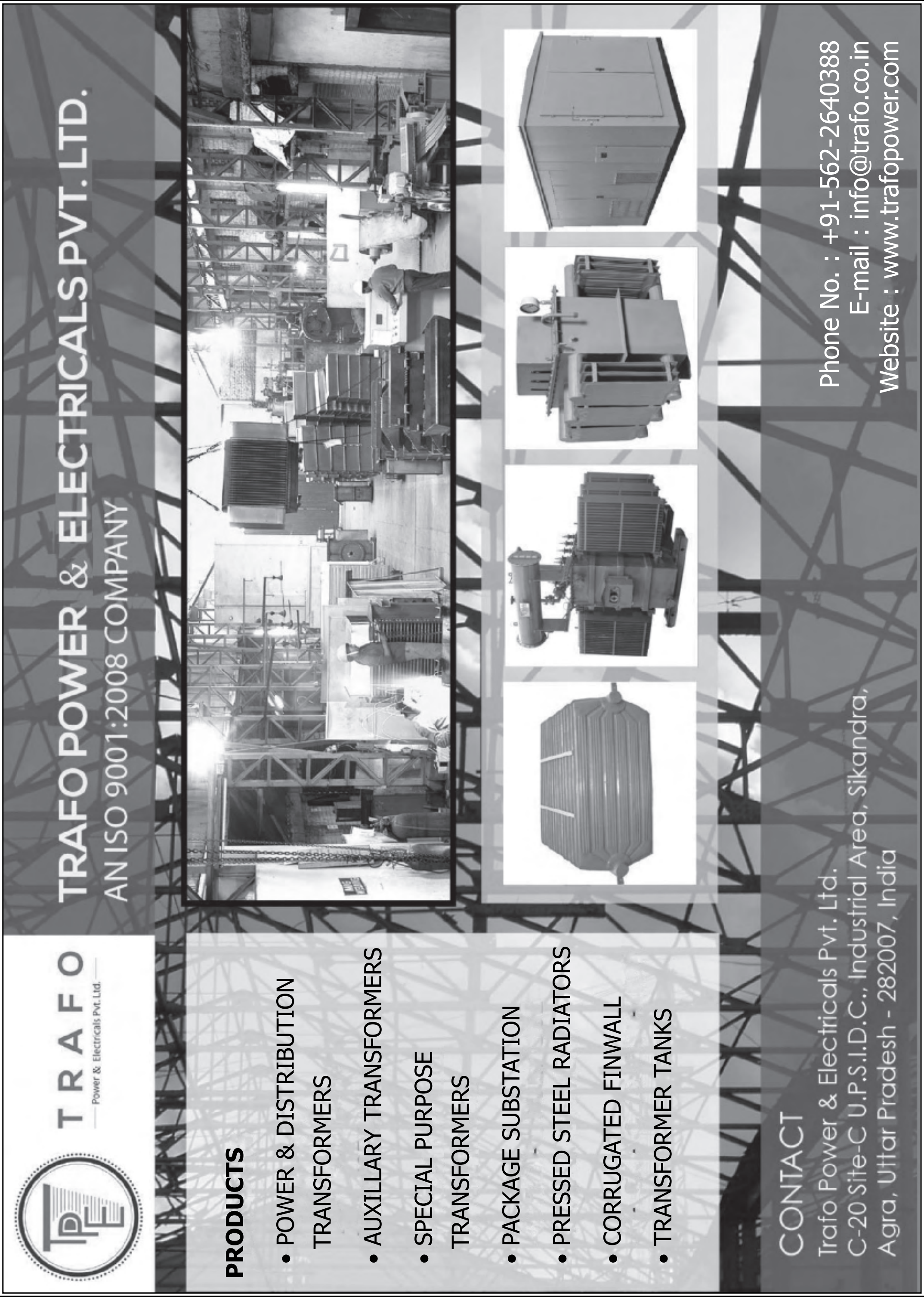
TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.
PRODUCTS
• POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
• AUXILLARY TRANSFORMERS
• SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
• PACKAGE SUBSTATION
• PRESSED STEEL RADIATORS
• CORRUGATED FINWALL
• TRANSFORMER TANKS
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No. : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in
Website : www.trafopower.com

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers

★ Shree Vimal Silica Traders

★ S.B. Jain Mineral Enterprises

Late Sh. Bimal Chand Jain
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438

Postal Registration No. JAIPUR CITY/410/2022-24

RERA Registration No.
RAJ/P/2022/2193
www.rera.rajasthan.gov.in

www.pearlgroupindia.com

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl ROYAL
2/3 BHK Exclusive Apartments

An exclusive place that you can call home

D-231 B, Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur (RAJ)

GYMNASIUM | MULTIPURPOSE HALL | INDOOR GAMES

Builder & Developers
Pearl India Buildhome (P) Ltd.
PEARL DEEWAN S-14, Mangal Marg,
5th floor Bapu nagar, Jaipur-302015
Ph.: +91 141 4014044
Website : www.pearlgroupindia.com
E-mail : pearlgroup.vijay@gmail.com

Member
TODAR | CREDAI RAJASTHAN | RAJREDCO

Dr. Raj Kumar Jain : 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain : 9829010092

3 Decades of Excellence | **3600** Villas + Plots | More than **800** Apartments | **35** 'Pearl' Tower | **6** Townships

Disclaimer:- The image shown in indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

If Undelievered, please return to :
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।